-: सुविचार :-

''अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा ।''

कलम लोक

Website : www.kalamlok.com

इमरजेंसी में मोदी, नड्डा का नाम...

17 साल बाद भारत फिर बना टी20 का शहंशाह, रोहित ब्रिगेड ने बारबाडोस में मचाई धूम

नई दिल्ली (एजेंसी)। करीब डेढ़ अरब भारतीयों की दुआओं और उम्मीदों पर खरा उतरते हुए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने एकजुटता, साहस और संयम के तालमेल का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए साउथ अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हरा कर टी20 वर्ल्डकप 17 साल बाद भारत की झोली में डाल दिया। भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 176 रन बनाए, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 8 विकेट पर 169 रन ही बना सकी। 17 साल बाद यह पहला मौका है जब भारत ने टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में 2007 में भारत ने पहली बार टी20 का विश्वकप जीता था। इससे पहले

भारत के हाथ आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2011 में आया था, जिसके बाद भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस लिहाज से भारत के हाथ 11 साल बाद कोई आईसीसी ट्रॉफी हाथ आई है।

जीत के बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली एक-दूसरे के गले लगकर रो पड़े। हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत समेत हर भारतीय खिलाड़ी की आंखें नम थीं। कमेंटरी बॉक्स में भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज इरफान पठान भी फूट-फूट कर रोए। उन्होंने कहा कि रोहित की टीम ने आज कमाल कर दिया। वह इस टीम के शुक्रगुजार हमेशा रहेंगे, जिन्होंने उनका सपना साकार कर दिया।

रोहित शर्मा और विराट कोहली के लिए यह वर्ल्ड कप काफी अहम था। विराट ने टीम के विश्व विजेता बनने के साथ ही टी 20 के फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। संभावना है कि रोहित शर्मा भी क्रिकेट के इस फॉर्मैट से संन्यास ले सकते हैं। कोच राहुल द्रविड़ के लिए भी यह विश्वकप काफी मायने रखता था। द्रविड़ की कप्तानी में भारत 2007 में वनडे वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गया था। विराट कोहली (76) की सूझबूझ भरी पारी और अक्षर पटेल (47) के साथ 72 रनों की महत्वपूर्ण भागीदारी की मदद से भारत ने 7 विकेट पर 176 रनों का स्कोर खड़ा किया। लगभग पूरे टूर्नामेंट में खामोश रहने वाला विराट का बल्ला आज खिताबी मुकाबले में जमकर दहाड़ा। विराट ने मार्को यानसन के पहले ओवर में तीन चौके लगाकर अपने इरादों का इजहार किया। भारत ने पहले ओवर में 15 रन जुटाए,उस समय लग रहा था कि इस पिच पर 200 से ऊपर का स्कोर खड़ा हो सकेगा मगर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी करते हुए पहले पावर प्ले में ही भारत के तीन महत्वपूर्ण विकेट रोहित शर्मा (9), ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव का विकेट झटक लिए।

- फाइनल में चला विराट का बल्ला
- अच्छी नहीं रही साउथ अफ्रीका की शुरुआत
- विकेट गिरने से बैकफुट पर आ गया था भारत

चैंपियन, हमारी टीम वर्ल्डकप घर ले आई है; पीएम मोदी ने दिया बधाई संदेश

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टी20 वर्ल्डकप चैंपियन बनने पर भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी है। उन्होंने अपने वीडियो संदेश के साथ टीम इंडिया को बधाई देते हुए लिखा कि हमारी टीम वर्ल्ड कप घर ले आई है है। पीएम मोदी ने लिखा, चैंपियन! हमारी टीम शानदार अंदाज में टी20 विश्व कप जीत कर लाई! हमें भारतीय क्रिकेट टीम पर गर्व है। यह मैच ऐतिहासिक था।

विराट कोहली ने किया संन्यास का ऐलान

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने टी20 इंटरनेशनल फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन बनाए, जिसमें विराट कोहली ने 76 रनों की पारी खेली। विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

जजों की तुलना भगवान से करना सही नहीं है, अदालत और न्याय को लेकर सीजेआई का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई ने कहा कि बहुत बार, हमें ऑनर या लॉर्डशिप या लेडीशिप के रूप में संबोधित किया जाता है। बड़ा ख़तरा होता है जब लोग कहते हैं कि अदालत न्याय का मंदिर है. सीजेआई चंद्रचूड़ ने शनिवार सुबह कोलकाता में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, यह एक गंभीर खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में देवताओं के रूप में मानते हैं।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने आज (29 जून) कहा कि भारत में न्यायाधीशों की तुलना भगवान से करने का चलन खतरनाक है क्योंकि न्यायाधीशों का काम जनहित की सेवा करना है। सीजेआई ने कहा कि जब उन्हें बताया जाता है कि अदालत न्याय का मंदिर है तो उन्हें अनिच्छा महसूस होती है क्योंकि मंदिर मानता है कि न्यायाधीश देवता की स्थिति में हैं।

सीजेआई ने कहा कि बहुत बार, हमें ऑनर या लॉर्डशिप या लेडीशिप के रूप में संबोधित किया जाता है। बड़ा ख़तरा होता है जब लोग कहते हैं कि अदालत न्याय का मंदिर है. सीजेआई चंद्रचूड़ ने शनिवार सुबह कोलकाता में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, यह एक गंभीर खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में देवताओं के रूप में मानते हैं। मैं न्यायाधीश की भूमिका को लोगों के सर्वर के रूप में पुनः स्थापित करना चाहूँगा।

उत्तर भारत में जबरदस्त बारिश

अगले पांच दिनों तक होगी भारी बरसात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर भारत के कई हिस्सों में शनिवार को मूसलाधार बारिश होने के साथ ही भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले चार से पांच दिन में भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। शुक्रवार को भारी बारिश के बीच दिल्ली के वसंत विहार इलाके में एक निर्माण स्थल पर गिरी दीवार के मलबे से तीन मजदूरों के शव निकाले जाने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। रोहिणी, बुराड़ी और मध्य दिल्ली समेत शहर के कई इलाकों में शनिवार को बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग में 8.9 मिमी, लोधी रोड मौसम भवन मे 12.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में शुक्रवार को 228.1 मिमी बारिश हुई, जो 1936 के बाद जून में सबसे अधिक बारिश है।

दिल्ली में जानलेवा बारिश, अब तक 11 की गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में भारी बारिश ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। जगह-जगह जमा पानी जानलेवा साबित हो रहा है। सिराजपुर अंडरपास के पास शनिवार को दो लड़कों की डूबकर मौत हो गई। वहीं ओखला अंडरपास से गुजरने की कोशिश कर रहे एक शख्स की मौत हो गई। इसके साथ दिल्ली में बारिश से संबंधित घटनाओं में कुल 11 लोगों की भी मौत हो गई है।

14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए अरविन्द केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने 2021-22 की उत्पाद शुल्क नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित भ्रष्टाचार के आरोपों के सिलसिले में शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

केजरीवाल को मामले के सिलसिले में 26 जून को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। उन्हें तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया गया। अपनी गिरफ्तारी के समय, केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जांच की जा रही कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे। शनिवार को सुनवाई के दौरान केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील विक्रम चौधरी ने अदालत को बताया कि मामले की जांच 2022 से चल रही है।

सैन्य इतिहास में पहली बार

2 ज़्लासमेट सेना और नौसेना के होंगे प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश के सैन्य इतिहास में ऐसा पहली बार होगा, जब 2 क्लासमेट (लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी) भारतीय सेना और नौसेना के प्रमुख बनेंगे। मध्य प्रदेश के सैनिक स्कूल, रीवा से दोनों की पढ़ाई-लिखाई हुई है। उपेंद्र द्विवेदी कक्षा 5वीं-ए से स्कूल में एक साथ थे। यह 1970 के दशक के शुरुआत की बात है। खास बात यह भी है कि दोनों अधिकारियों के रोल नंबर एक-दूसरे के आसपास थे। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी का रोल नंबर 931 और एडमिरल त्रिपाठी का 938 हुआ करता था।

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, स्कूल के शुरुआती दिनों से ही द्विवेदी और त्रिपाठी की बॉन्डिंग मजबूत थी। इसके बाद अलग-अलग सेनाओं में होने के बावजूद दोनों हमेशा संपर्क में बने रहे। इन दोनों अधिकारियों को जानने वाले एक रक्षा अधिकारी ने कुछ अधिक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना में सीनियर लीडरशिप के बीच दोस्ती सेनाओं के बीच कामकाजी संबंधों को मजबूत बनाने में बहुत मायने रखती है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए भारत भूषण बाबू ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, 2 प्रतिभाशाली छात्रों को प्रशिक्षित करने का यह दुर्लभ सम्मान है।

एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से फायरिंग, सेनाएं हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान वैसे तो खुद अपने देश में दहशतगर्दी का सामना कर रहा है और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन चला रहा है। वहीं उसके हुक्मरान भारत से दोस्ती की बात करते नजर आ रहे हैं। लेकिन फिर भी सीमा पर उसकी करतूत थमने का नाम नहीं ले रही है। लाइन ऑफ कंट्रोल से अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर पाक ने सीजफायर का उल्लंघन किया है। बताया जा रहा है कि जवानों की तैनाती बढ़ा दी गई है। सेनाएं हाई अलर्ट पर है। सूत्रों ने बताया कि कृष्णाघाटी में एक अग्रिम भारतीय चौकी पर सीमा पार से गोलीबारी की सूचना मिली, जिसके बाद नियंत्रण रेखा की रक्षा कर रहे सेना के जवानों ने जवाबी कार्रवाई की, उन्होंने बताया कि थोड़ी देर तक चली गोलीबारी में कोई हताहत नहीं हुआ। पूर्वी लद्दाख में एक टैंक को श्योक नदी पार कराने की कोशिश के दौरान सेना के पांच जवानों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जब यह दुर्घटना हुई तब सैनिक टैंक को नदी पार कराने का प्रयास कर रहे थे।

सेना की 'फायर एंड फ्यूरी' कोर ने कहा कि 28 जून, 2024 की रात एक सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास के बाद, पूर्वी लद्दाख के सासेर ब्रांगसा के निकट श्योक नदी में अचानक जल स्तर बढ़ने के कारण सेना का एक टैंक फंस गया। चाव दल घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तेज बहाव और अधिक जल स्तर के कारण बचाव अभियान सफल नहीं हो सका और टैंक के चालक दल के सदस्यों की जान चली गई।

जजों से ममता की अपील

सुनिश्चित करें कि न्यायपालिका में कोई राजनीतिक पूर्वाग्रह न हो

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को कोलकाता में एक कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और निचली अदालतों के न्यायाधीशों से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि न्यायपालिका किसी भी राजनीतिक पक्षपात से मुक्त हो। बनर्जी ने कहा कि आप सभी से मेरा विनम्र अनुरोध है। यह मेरा विनम्र निवेदन है. कृपया देखें कि न्यायपालिका में कोई राजनीतिक पक्षपात नहीं है। न्यायपालिका शुद्ध होनी चाहिए। राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी और कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम में भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम सहित अन्य लोग उपस्थित थे। अगर न्यायपालिका आम नागरिकों की मदद नहीं कर सकती, तो उन्हें न्याय कहाँ से मिलेगा? जब कोई अत्याचार होता है तो हम बड़ी आशा से सोचते हैं कि न्यायपालिका ही समस्या का समाधान कर सकती है। हमारा मानना है कि न्यायपालिका सबसे बड़ा स्तंभ है जो लोकतंत्र और संविधान को बचाने में मदद करेगी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के लिए मुसीबतें बढ़ाने वाले एक कदम में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत पार्टी से संबंधित 73 लाख रुपये के भूमि पार्सल और बैंक जमा पर हमला किया है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक घोटाला।

उन्होंने कहा कि केरल के त्रिशूर जिले में 10 लाख रुपये की जमीन और पार्टी के पांच अघोषित बैंक खातों में रखी 63 लाख रुपये की बैंक जमा राशि जब्त करने के लिए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है।

जीतनराम मांझी ने डाला साजिश का एंगल

बिहार में अभी गिर रहे पुल, 8 महीने पहले नहीं गिरे?

पटना (एजेंसी)। बिहार में हो रहे ब्रिज हादसों पर पूर्व सीएम एवं केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने साजिश की आशंका जताई है। हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के संरक्षक मांझी ने कहा कि इन दिनों पुल गिरने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। मगर गौर करने वाली बात यह है कि 6-8 महीने पहले ऐसी घटनाएं क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इसमें किसी न किसी तरह की साजिश है। नीतीश सरकार को इसकी जांच करनी चाहिए। उन्होंने पुल गिरने के पीछे ठेकेदारों को जिम्मेदार ठहराते हुए उनपर घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया। बता दें कि बिहार में बीते 11 दिनों के भीतर अलग-अलग जिलों में पांच सड़क पुल ढह गए।

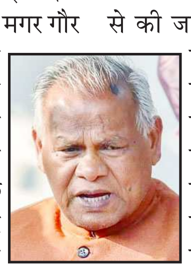

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने शनिवार को नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत में बिहार में पुल गिरने की घटनाओं पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे ठेकेदार जिम्मेदार हैं। वे घटिया किस्म का मटेरियल इस्तेमाल करते हैं, इसी कारण ये घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने नीतीश सरकार के समर्थन में कहा कि इन घटनाओं पर तुरंत कार्रवाई की गई है। जो संवेदक हैं उनपर जरूरी एक्शन लिया जा रहा है। पुलों के गिरने से जनता का जो पैसा बर्बाद हुआ है, उसकी वसूली जिम्मेदार लोगों से की जाएगी। पुल गिरने की घटनाओं के पीछे साजिश वाला एंगल बताकर मांझी ने कहा कि हाल के दिनों में पुल हादसे अचानक लगातार होने लगे हैं। कुछ महीने पहले तक ऐसी घटनाएं क्यों नहीं हो रही थीं। बता दें कि बिहार में 6 महीने पहले महागठबंधन की सरकार थी। हालांकि, उस समय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही थे। गौरतलब है कि बिहार में बीते कुछ दिनों के भीतर बारिश के पानी के तेज बहाव की वजह से अलग-अलग जिलों में पुल गिरने के पांच मामले सामने आ चुके हैं। 18 जून को सबसे पहले अररिया में बकरा नदी पर हाल ही में बनाया गया एक पुल गिर गया, जिसका उद्घाटन कुछ ही दिनों में होना था। इसके बाद पूर्वी चंपारण, सीवान, किशनगंज और फिर मधुबनी जिले में भी अलग-अलग जगहों पर छोटे और बड़े पुल पानी में धंस गए।

NEET फर्जीवाड़ा मामले में चार आरोपी सीबीआई हिरासत में भेजे गए

गोधरा (एजेंसी)। गुजरात की एक अदालत ने शनिवार को गोधरा के एक स्कूल में आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में कथित कदाचार के आरोप में गिरफ्तार चार आरोपियों को दो जुलाई तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया। गुजरात पुलिस ने इस मामले में पिछले महीने पांच लोगों को गिरफ्तार किया था।

सीबीआई ने उनमें से स्कूल शिक्षक तुषार भट्ट, जय जलाराम स्कूल के प्रिंसिपल पुरूषोत्तम शर्मा के साथ ही बिचौलिए विभोर आनंद और आरिफ वोहरा की हिरासत की मांग की। जांच एजेंसी ने पांचवें आरोपी शिक्षा सलाहकार परशुराम रॉय की रिमांड नहीं मांगी। सभी पांच आरोपी फिलहाल गोधरा उपजेल में सलाखों के पीछे हैं। पंचमहल के प्रधान जिला न्यायाधीश सीके चौहान ने उनकी रिमांड के लिए सीबीआई के अनुरोध को मंजूरी दे दी।

मंत्रिमंडल से पास करवाकर दिखाएं विशेष दर्जा वाला प्रस्ताव, कांग्रेस के निशाने पर JDU-TDP

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की गई। बिहार की पार्टियों की लंबे समय से ये मांग रही है। अब इसको लेकर कांग्रेस सत्ताधारी छ्छ गठबंधन को निशाने पर ले रही है। दरअसल कांग्रेस का कहना है कि राज्यों को विशेष दर्जा देने का प्रस्ताव केवल पार्टी स्तर पर ही पास नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे राज्य विधानसभा में भी पास किया जाना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए लिखा, जनता दल (यूनाइटेड) (छ्छ) ने हाल ही में बिहार को विशेष श्रेणी का दर्जा देने की मांग दोहराते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। क्या मुख्यमंत्री राज्य मंत्रिमंडल से भी ऐसा प्रस्ताव पारित करवाने का साहस जुटाएंगे। क्या बिहार के मुख्यमंत्री अपनी बात पर अमल करेंगे?

जयराम रमेशा ने आंध्र प्रदेश की सत्ताधारी तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) को भी निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, और टीडीपी अपनी नई पारे में इसको लेकर क्या सोचती है? उसने आंध्र प्रदेश के लिए अभी तक ऐसा कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया है, जबकि नॉन बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने 30 अप्रैल, 2014 को पवित्र शहर तिरुपति में इस वादे पर जोर दिया था।

इससे पहले जद(यू) नेता नीरज कुमार ने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकिरिणी की बैठक के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''कार्यकारिणी में दो महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गए। पहला, राजनीतिक और दूसरा संगठनात्मक। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री (नीतीश कुमार) जी ने राज्यसभा में पार्टी के संसदीय दल के नेता संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया।'' कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य को एक विशेष पैकेज देने के विकल्प पर भी विचार कर सकती है। कार्यकारी अध्यक्ष पद पर अपनी नियुक्ति के बाद झा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार पर हमेशा ध्यान देते हैं और उम्मीद है कि विशेष दर्जे या पैकेज की (राज्य की) मांग पूरी होगी।

बता दें कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश की जदयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी केंद्र के सत्ताधारी NDA गठबंधन का हिस्सा हैं। लोकसभा में तेदेपा के 16 सांसद हैं और वह भाजपा की सबसे बड़ी सहयोगी है। लोकसभा में 12 सांसदों के साथ जद(यू) भाजपा की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी है, जबकि लोजपा (रामविलास) के पांच सांसद हैं। केंद्रीय मंत्रिपरिषद में लोजपा (रामविलास) का एक, जबकि तेदेपा और जद (यू) के दो-दो सदस्य हैं। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग एक लंबे समय से चली आ रही है।

पार्टी का विस्तार : 2025 में बिहार में नीतीश सरकार; जेडीयू कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने बताया अपना एजेंडा

पटना (संवाददाता)। नीतीश कुमार के भरोसेमंद और राज्यसभा सांसद संजय झा को जनता दल यूनाइटेड का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। पहले से ही इसके कयास लगाए जा रहे थे। शनिवार को दिल्ली के कांस्टिट्यूशन क्लब में आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इस पर मुहर लगा दी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने खुद इसका प्रस्ताव किया और कार्यकारिणी सदस्यों ने ताली बजाकर सहमति दे दी। उसके बाद नीतीश कुमार ने संजय झा की नई जिम्मेदारी के घोषणा की। सरकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद संजय झा ने मीडिया कर्मियों से खुलकर बात की। उन्होंने आभार जताया और कहा कि जनता दल यूनाइटेड को राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बना कर नीतीश कुमार को गिफ्ट देना उनका पहला लक्ष्य है। कहा कि आने वाले समय में हम अपनी पार्टी का विस्तार देश के विभिन्न राज्यों तक करेंगे और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पार्टी की भूमिका सुनिश्चित करेंगे। संजय झा ने यह भी कहा कि 2025 में मजबूती से चुनाव लड़ते हुए फिर से एक बार बिहार में हमारी सरकार बने, इस लक्ष्य से काम करना है।

दिल्ली में मीडिया कर्मियों से बात करते हुए जेडीयू के नव निर्वाचित कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश कुमार जी ने इतनी बड़ी जिम्मेदारी मुझे दी है और भरोसा ज्यादा आया है इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद।

मैं उनके भरोसे पर खड़ा उतरने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार के बाहर भी काफी काम किया है। बिहार को ट्रैक पर लाए और इस राज्य के साथ-साथ देश का भला किया। लालू राबड़ी तेजस्वी का नाम लिए बगैर उन्होंने कहा कि जो लोग आज बिहार में घूम रहे हैं वह जानते हैं कि किस तरह का बिहार उन्होंने नीतीश कुमार के हाथों में दिया था। हम लोगों का प्रयास होगा कि पार्टी का विस्तार हो और केंद्र में जो अभी हमारी सरकार बनी है उसमें बिहार की भूमिका और बड़ी हो और उनका सहयोग समर्थन हमें मिलता रहे। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी और जदयू के बीच एक नेचुरल अलाएंस है। हम लोग 1996 से साथ हैं जब समता पार्टी थी। 2005 में जब बिहार में सरकार और व्यवस्था बदली तो हम लोग साथ थे। बिहार के बदलाव में बीजपी का भी बहुत सहयोग और समर्थन रहा। आने वाले समय में हम लोग एनडीए में साथ रहते हुए मजबूती के साथ बिहार और देश के लिए काम करते रहेंगे। संजय झा ने कहा कि विगत लोकसभा चुनाव में बिहार के 177 विधानसभा क्षेत्र में हमने लीड किया। बिहार की जनता का भरोसा हमारी पार्टी और गठबंधन को प्राप्त है। 2025 में हम 2 सौ से ज्यादा सीटों पर जीतेंगे। लोकसभा चुनाव में बिहार के 40 में से 30 सीटों पर हमारे गठबंधन ने जीत दर्ज किया। 2025 के विधानसभा चुनाव का सिग्नल बिहार की जनता ने 2024 में ही दे दिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा हमारी पार्टी की पुरानी मांग है लेकिन इसके लिए केंद्र सरकार के साथ बात करेंगे और बगैर किसी टकराव के हम लोग रास्ता निकालेंगे। बिहार की बेहतरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान हमेशा रहा है। उनका सहयोग हमें मिलेगा।

इमरजेंसी में मोदी, नड्डा का नाम नहीं सुना, इंदिरा ने हमें देशद्रोही नहीं कहा : लालू यादव

पटना (संवाददाता)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने आपातकाल की बरसी पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेताओं पर करारा हमला बोला है। लालू ने कहा कि इमरजेंसी के समय वह जय प्रकाश नारायण (जेपी) से जुड़े हुए थे। उस समय वे 15 महीने मीसा एक्ट के तहत जेल गए। मगर उस समय वे बीजेपी के कई बड़े नेताओं के बारे में जानते तक नहीं थे, जो आज आपातकाल पर बोल रहे हैं। लालू ने कहा, यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत केंद्रीय कैबिनेट के कई मौजूदा मंत्रियों का नाम भी उन्होंने या उनके साथियों ने नहीं सुना था, जो आज हमें आजादी का पाठ पढ़ा रहे हैं।

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आपातकाल की बरसी पर लिखा गया अपना लेख साझा किया। इसमें उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनके जैसे कई लोगों को इमरजेंसी के दौरान सलाखों के पीछे डाल दिया था, लेकिन उन्होंने कभी गालियां नहीं दीं। लालू ने बताया कि इंदिरा या उनके किसी भी मंत्री ने उन्हें एंटी नेशनल या देशद्रोही नहीं कहा था। उन्होंने कभी भी हमारे संविधान के निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की यादों को मिटाने का काम नहीं किया। लालू ने कहा कि 1975 का आपातकाल देश के लोकतंत्र पर धब्बा है, लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि 2024 में विपक्ष को सम्मान नहीं मिल पा रहा है।

बता दें कि लालू यादव की गिनती उन समाजवादी नेताओं में होती है, जो जेपी आंदोलन से निकले और बाद में राजनीति में अपनी छाप छोड़ दी। लालू प्रसाद यादव इमरजेंसी के समय तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार के विरोध में डटे रहे और जेल गए। इसी दौरान लालू की पत्नी राबड़ी देवी ने बेटी को जन्म दिया था। लालू ने अपनी बेटी का नाम मीसा भारती ही रख दिया, क्योंकि मीसा एक्ट के तहत ही उन्हें इंदिरा सरकार ने जेल में डाला था। लालू यादव की आरजेडी अब कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन में हैं। बीजेपी के नेता उन्हें अक्सर इस बात के लिए चिढ़ाते हैं कि जिस कांग्रेस सरकार ने उन्हें जेल में डाला था। जिस पार्टी की खिलाफत करते हुए वे राजनीति में आए, आज उसी कांग्रेस की गोदी में जाकर बैठ गए हैं।

सीमा विवाद में उलझी रही यूपी और बिहार की रेल पुलिस, ट्रैक पर युवक ने तड़प-तड़पकर दम तोड़ा

बक्सर (संवाददाता)। बिहार के बक्सर से चौंकाने वाला सामने आया है। दो राज्यों के सीमा विवाद में उलझी रेल पुलिस की वजह से एक युवक ने ट्रैक पर तड़प-तड़पकर दम तोड़ दिया। हैरान कर देने वाली यह घटना बक्सर जिले के चौसा रेलवे स्टेशन के पास की है। स्टेशन से कुछ दूरी पर कर्मनाशा पुल के पास श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेन से शुक्रवार सुबह करीब पौने 5 बजे एक युवक गिर गया। इसके बाद बिहार के बक्सर और यूपी के दिलदारनगर की रेल पुलिस मौके पर पहुंची। मगर सीमा विवाद में उलझने के कारण किसी ने उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया। ट्रैक पर ही घंटों तड़पने के बाद युवक ने दम तोड़ दिया।

जानकारी के मुताबिक स्थानीय लोग जब सुबह में शौच के लिए बाहर निकले तब उन्होंने रेलवे ट्रैक पर एक युवक को घायल अवस्था में पड़े देखा। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत मुफस्सिल थाना पुलिस को दी। मुफस्सिल थाना पुलिस ने यह मामला रेल पुलिस का बताते हुए जीआरपी को फोन किया। इसके बाद बक्सर (बिहार) और दिलदारनगर (यूपी) की रेल पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों राज्यों की रेल पुलिस सीमा विवाद में उलझी रही। किसी ने भी जख्मी युवक को पहले अस्पताल पहुंचाना जरूरी नहीं समझा। यहां तक कि स्थानीय लोग भी घायल युवक की मदद को आगे नहीं आए। दिन चढ़ने की वजह से मौसम में गर्मी भी बढ़ती गई। जिंदगी और मौत से घंटों झूझने के बाद आखिरकार युवक जंग हार गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी में घंटों पड़े रहने की वजह से युवक की मौत हुई। सुबह पौने 5 बजे यह हादसा हुआ और सुबह 11 बजे तक उसका शव ट्रैक पर ही पड़ा रहा। बाद में उसका शव वहां से हटाया गया। मृतक की पहचान पटना जिले के फतुहा थाना इलाके के बांकीपुर गोरख गांव निवासी शिवदयाल यादव के बेटे अरविंद के रूप में हुई। उसकी उम्र 40 साल थी।

स्पेशल स्टेटस नहीं तो विशेष पैकेज दो

नीतीश ने मोदी सरकार के सामने दो विकल्प क्यों रखे?

पटना (संवाददाता)। बिहार को विशेष राज्य के दर्जे का मुद्दा एक बार फिर गर्मा गया है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की शनिवार को दिल्ली में हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र के सामने फिर से यह मांग रख दी। बैठक में कहा गया कि बिहार को आर्थिक रूप से विकसित करने के लिए यह विशेष दर्जा मिलना जरूरी हो गया है।

हालांकि, नीतीश ने केंद्र के सामने थोड़ा सॉफ्ट खेलते हुए इस बार दो विकल्प रखे हैं। उन्होंने मोदी सरकार से कहा है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए, लेकिन स्पेशल स्टेटस ना मिले तो विशेष पैकेज ही मिल जाए तो भी अच्छा रहेगा। नीतीश ने केंद्र के सामने दो विकल्प क्यों रखें, इसे लेकर राजनीतिक गलियारे में चर्चाओं का दौर भी चल रहा है। जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राज्यसभा सांसद संजय झा को नीतीश ने पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष भी बनाया। संजय झा ऐसे नेता हैं जिनका बैकग्राउंड भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का रहा है। उनकी बीजेपी के कई नेताओं से नजदीकी की चर्चा भी होती रहती है। इस साल इंडिया गठबंधन से जेडीयू की एनडीए में वापसी कराने में झा की अहम भूमिका रही थी। नीतीश ने उन्हें जेडीयू में नंबर दो का नेता बनाकर यह संकेत दिए हैं कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले वे बीजेपी से कोई तकरार नहीं चाहते हैं। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद संजय झा ने स्पष्ट भी किया कि जेडीयू एनडीए में बनी रहेगी। दूसरी ओर, विशेष राज्य के दर्जे की मांग जेडीयू लंबे समय से कर रही है। 6 महीने पहले जब नीतीश के

नेतृत्व में बिहार के अंदर महागठबंधन की सरकार थी, तब राज्य कैबिनेट ने स्पेशल स्टेटस का प्रस्ताव मंजूर कर केंद्र को भेजा था। हालांकि, बाद में नीतीश महागठबंधन छोड़कर एनडीए में वापस आ गए। अब उनपर फिर से अपनी कैबिनेट से ऐसा ही प्रस्ताव मंजूर कर केंद्र को भेजने का दबाव बन रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को नीतीश से यह मांग भी कर दी। माना जा रहा है कि नीतीश कुमार को आशंका थी कि विशेष राज्य के दर्जे की मांग पर बीजेपी और जेडीयू में टकराव की स्थिति बन सकती है। इसे देखते हुए उन्होंने मोदी सरकार के सामने दो विकल्प रख दिए। अगर स्पेशल स्टेटस नहीं देना है तो केंद्र बिहार को विशेष पैकेज ही दे दे। इससे कई मौकों पर विशेष राज्य का दर्जा देने से इनकार कर चुकी मोदी सरकार के लिए भी आसानी होगी। वहीं, विशेष पैकेज मिलता है तो जेडीयू भी खुलकर कह सकेगी कि उन्होंने केंद्र से अपनी मांग मनवा ली। साथ ही आगामी बिहार चुनाव में बीजेपी और जेडीयू दोनों ही पार्टियां मिलकर जनता को अपनी उपलब्धि बता सकेंगी।

लोकसभा चुनाव के दौरान पिछले महीने पटना आईं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा था कि अगर किसी राज्य को विशेष दर्जा देना है तो पहले केंद्रीय वित्त आयोग की रिपोर्ट में इसका सुझाव आना चाहिए। तभी केंद्र सरकार इस बारे में आगे विचार करेगा। अब तक वित्त आयोग की ओर से ऐसा कोई सुझाव नहीं आया है। उन्होंने यह भी कहा कि 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को 1.25 लाख करोड़ रुपये का पैकेज देने की घोषणा की गई थी। माना जा रहा है कि आगामी बिहार चुनाव से पहले भी मोदी सरकार ऐसे ही एक बड़े पैकेज की घोषणा कर सकती है।

26 चक्कर लगाकर पटना में उतरा इंडिगो का विमान, खराब मौसम के चलते तीन फ्लाइट वाराणसी डायवर्ट

पटना (संवाददाता)। बिहार की राजधानी पटना में शनिवार को तेज बारिश का असर विमान सेवा पर भी पड़ा। पटना एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी घटने की वजह से तीन विमानों को डायवर्ट कर वाराणसी भेजा गया। हालांकि, बाद में मौसम साफ होने के बाद सभी फ्लाइट पटना आ गईं। वहीं, चेन्नई से पटना आए इंडिगो के विमान ने आसमान में 26 चक्कर लगाए, तब जाकर जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर लैंडिंग हो पाई। बता दें कि पटना समेत आसपास के इलाकों में शनिवार दोपहर में भारी बारिश हुई, जिससे कई इलाकों में जलजमाव हो गया।

मौसम खराब होने के चलते पटना एयरपोर्ट पर शनिवार को कुछ समय के लिए विमान सेवा बाधित रही। इस वजह से सैकड़ों हवाई यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर 2.30 से 3.30 बजे तक पटना में तेज बारिश हुई। इससे पटना एयरपोर्ट के रनवे पर विजिबिलिटी बहुत कम हो गई।

इससे विभिन्न शहरों से आने वाले विमान पटना में लैंड नहीं कर पाए। इंडिगो की रांची से पटना आई फ्लाट को आसमान में 17 चक्कर लगाने पड़े। वहीं, चेन्नई-पटना फ्लाइट को 26 चक्कर लगाने के बाद एयरपोर्ट पर उतरने की इजाजत मिली। एयर इंडिया के दो विमानों को भी वाराणसी डायवर्ट करना पड़ा था। खराब मौसम के चलते कुल तीन फ्लाइट वाराणसी डायवर्ट की गई। बाद में तीनों विमान पटना लौटे और वापस अपने गंतव्य की ओर निकल गए। हालांकि, फ्लाइट के देरी से पटना पहुंचने पर यात्री परेशान नजर आए।

कहां है रॉकी?

नीट पेपर लीक में सीबीआई को सबसे ज्यादा इस शख्स की तलाश, जानिए क्यों?

पटना (संवाददाता)। नीट पेपर लीक मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सबसे ज्यादा जिस शख्स की तलाश है, उसका नाम रॉकी है। सीबीआई टीम ने चार मुख्य आरोपियों चिंटू, मुकेश, मनीष और आशुतोष को सात दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

इनसे पेपर लीक करने से लेकर इनके यहां तक पहुंचने और इसमें जुड़े बड़े सेटरों के नाम पूछे जा रहे हैं। इसमें रॉकी को लेकर सभी से खासतौर से जानकारी हासिल की जा रही है। दरअसल, रॉकी अभी फरार है। सीबीआई उसकी लोकेशन पता लगाने की कोशिश कर रही है। रॉकी के भारत छोड़ नेपाल भागने की भी सूचना मिल रही है।

नीट पेपर लीक की रॉकी वो कड़ी है जिसकी मदद से उस सेटर तक पहुंचा जा सकता है, जिसकी भूमिका प्रश्न-पत्र को आउट कराने में मुख्य रही है। इसे लेकर जांच टीम के अधिकारी सभी आरोपियों से पूछताछ कर रहे हैं। रॉकी मूलरूप से बिहार के नवादा का रहने वाला है। उसका वास्तविक नाम राकेश है। पिछले कुछ सालों से वह झारखंड की राजधानी रांची में रहकर रेस्टोरेंट चलाता है।

अब तक की जांच में यह पता चला है कि रॉकी ने नीट का पेपर लीक होने के बाद उसे हल कराकर चिंटू के मोबाइल पर भेजा था। चिंटू से खासतौर से रॉकी के बारे में जानकारी इकट्ठा की जा रही है। चिंटू से एक और संजीव मुखिया को लेकर भी जानकारी ली जा रही है। क्योंकि वह संजीव की भांजी का पति है। संजीव के भी रॉकी के साथ नेपाल भागने की सूचना मिल रही है। जांच में सामने आया है कि आरोपी मनीष और आशुतोष ने ही पटना के खेमनीचक स्थित निजी स्कूल में करीब 35 छात्रों के नीट का पेपर रटवाने का इंतजाम किया था। यह सब चिंटू के अलावा किसके कहने पर किया गया था, चिंटू के साथ और कौन लोग इसमें शामिल हैं, इसकी जानकारी इनसे ली जा रही है। इस तरह के कई सवालों के जवाब सीबीआई तलाश रही है।

हजारीबाग वाले आरोपियों से अलग से पूछताछ

झारखंड के हजारीबाग से ओएसिस स्कूल के प्राचार्य, उप-प्राचार्य और इनके साथ सेटिंग में अहम भूमिका निभाने वाले एक अन्य शख्स को पूछताछ के लिए पटना लाया गया है। यहां ये लोग किन-किन स्थानों पर कितने लोगों से मिले, इसका स्पॉट वेरिफिकेशन कराने के बाद इनसे कई अहम बातों की जानकारी ली जा रही है। प्रश्न-पत्र कब लीक किए गए थे, इसे सबसे पहले रॉकी या किसी अन्य को दिए गए थे, इसमें संजीव मुखिया समेत अन्य किनकी भूमिका क्या रही है, राज्य के बाहर के कौन सेटर गैंग जुड़े हैं, ऐसी बातों की तफ्तीश इनसे की जा रही है। चिंटू, मनीष समेत अन्य आरोपियों को प्राचार्य और उप-प्राचार्य के सामने बैठाकर एक राउंड की पूछताछ हुई है। आने वाले दिन में कुछ अन्य के साथ भी पूछताछ की जा सकती है।

लूंगी पहन रेलवे स्टेशन पहुंचे लेफ्ट विधायक महबूब आलम

कटिहार (संवाददाता)। बिहार के कटिहार जिले के बलरामपुर से लेफ्ट पार्टी सीपीआई माले के विधायक महबूब आलम की बारसोई रेलवे स्टेशन पर रेल पुलिस से बहस हो गई। यह मामला गुरुवार रात का है। बताया जा रहा है कि विधायक ने आरपीएफ और जीआरपी पर यात्रियों के साथ गलत व्यवहार करके उन्हें ट्रेन से उतारने का आरोप लगाया। रेल पुलिस से कहासुनी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो भी गया। इसमें विधायक लूंगी पहने हुए स्टेशन पर आरपीएफ से उलझते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि हिन्दुस्तान इसकी पुष्टि नहीं करता है। इससे पहले विधायक का बारसोई पुलिसे नोंकझोंक का भी वीडियो सामने आया था।

जानकारी के मुताबिक कुछ रेल यात्रियों ने गुरुवार रात विधायक महबूब आलम को फोन कर बताया कि रेलवे पुलिस उनके साथ गलत व्यवहार कर रही है। यह सुनते विधायक आग बबूला हो गए। वे तुरंत लूंगी पहनकर अपने समर्थकों के साथ स्टेशन पर पहुंच गए। उन्होंने यात्रियों से बातचीत की और फिर जीआरपी एवं आरपीएफ के कर्मियों से बात करने लगे।

माले विधायक महबूब आलम ने रेल पुलिस से कहा कि उन्होंने यात्रियों के साथ गलत व्यवहार करके वेटिंग टिकट वालों को ट्रेन से क्यों उतारा। उन्होंने आरोप लगाए कि बारसोई स्टेशन के टिकट काउंटर पर अवैध उगाही होती है, इस पर आरपीएफ और जीआरपी कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है। वीडियो में विधायक कहते हुए नजर आ रहे हैं गरीब जनता के साथ पुलिस बर्बरता दिखा रही है, जो किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रेल पुलिस की ओर से विधायक महबूब आलम को बहुत समझाया गया। रेलवे का यह नियम है कि वेटिंग टिकट यात्रियों को रिजर्वेशन कंपाउंड में रहने का अधिकार नहीं है। वहीं विधायक ने कहा कि तमाम मुद्दों को लेकर वह कटिहार डीआरएम से बात करेंगे।

भूमिहार और अति पिछड़ा केंद्रीय मंत्री, ब्राह्मण कार्यकारी अध्यक्ष; जेडीयू को कहां ले जा रहे नीतीश?

पटना (संवाददाता)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) में राज्यसभा सांसद संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया। नीतीश खुद जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और अब उनके बाद संजय झा दूसरे नंबर के नेता बन गए। इसके सियासी मायने भी निकाले जाने लगे हैं। चर्चा है कि पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग को केंद्र में रखकर राजनीति करने वाले सीएम नीतीश ने इस बार ब्राह्मण चेहरे पर बड़ा दांव खेला है। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश अपनी पार्टी को एक अलग स्तर पर ले जाना चाहते हैं। पिछड़ा और अति पिछड़ा के साथ वे सवर्ण जातियों को भी अपने वोटबैंक से जोड़ने की कोशिश में जुटे हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भूमिहार जाति के ललन सिंह और अति पिछड़ा समुदाय से रामनाथ ठाकुर को केंद्र में मंत्री बनाया।

नीतीश कुमार पहले से ही कुर्मी, कोइरी, अति पिछड़ा और महिला वर्ग में लोकप्रिय हैं। कुर्मी और कोइरी को तो जेडीयू का कोर वोटर माना जाता है। अब उन्होंने दो बड़ी और प्रभावी सवर्ण जाति के ललन सिंह और संजय झा को बड़ा रोल दिया है। ललन भूमिहार और संजय ब्राह्मण जाति से आते हैं।

ललन सिंह को मोदी कैबिनेट में मंत्री बनाया गया, तो संजय झा को राज्यसभा में जेडीयू संसदीय दल के नेता के साथ-साथ अब पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष भी बना दिया गया। इसके अलावा एक और सवर्ण जाति राजपूत के बड़े नेता पूर्व सांसद आनंद मोहन भी नीतीश कुमार के साथ हैं। उनकी पत्नी लवली आनंद हाल ही में जेडीयू के टिकट पर शिवहर से सांसद बनी हैं। पिछले साल हुई जाति गणना की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में सवर्ण जातियों में ब्राह्मणों की संख्या सबसे ज्यादा है, जो कुल आबादी का 3.66 फीसदी हैं। इसके बाद राजपूत 3.45 प्रतिशत और भूमिहार 2.87 प्रतिशत हैं। जेडीयू ने आबादी के लिहाज से बिहार के सबसे बड़े वर्ग अति पिछड़ा को साधने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। इस वर्ग से आने वाले राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर को केंद्र की मोदी कैबिनेट में मंत्री बना दिया गया। रामनाथ बिहार के पूर्व सीएम एवं जननायक कर्पूरी ठाकुर के बेटे हैं, जिन्हें इसी साल देश का सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से मरणोपरांत सम्मानित किया गया। इसके अलावा सुपौल के सांसद दिलेश्वर कामैत को भी लोकसभा में जेडीयू संसदीय दल का नेता बनाया गया, जो अति पिछड़ा वर्ग से आते हैं। जातिगत गणना की रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में अति पिछड़ा वर्ग की आबादी 36.01 फीसदी है, जो कि सबसे ज्यादा है।

दरअसल, बिहार में विधानसभा चुनाव अगले साल यानी 2025 में होने हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के बाद जेडीयू नेताओं का उत्साह चरम पर है। बिहार में एनडीए की सीटें भले ही घटी हैं, लेकिन जेडीयू का प्रदर्शन अपनी सहयोगी पार्टी बीजेपी से अच्छा रहा। बीजेपी ने जहां 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और 12 पर जीत दर्ज की। वहीं, जेडीयू ने बीजेपी से एक सीट कम यानी 16 लोकसभा पर चुनाव लड़ा और उसने भी 12 पर जीत हासिल की। इस तरह नीतीश की पार्टी का स्ट्राइक रेट बीजेपी से अच्छा रहा।

भाई-भाभी से विवाद पर आठवें माले से कूदी महिला, मौत

रायपुर। टिकरापारा इलाके के बोरियाखुर्द में एक निर्माणाधीन भवन से एक महिला ने कूदकर जान दे दी। महिला कूदी या गिरी या कोई कारणों को लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरडीए की बहुमंजिली आवास योजना के तहत बोरियाखुर्द में आठ मंजिला कांप्लेक्स बन रहा है । वहीं पास में रहने वाली एक 40 वर्षीय युवती ने आज सुबह आठवें माले से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान शबनम के रूप में हुई है। जो हाउसिंग बोर्ड कालोनी में अपने भाई,भाभी के साथ रहती थी। पुलिस के अनुसार आज सुबह घर में तीनों के बीच विवाद हुआ था। और उसके बाद लाश मिली। बताया जा रहा है कि युवती दौड़ते हुए तेजी से बिल्डिंग के ऊपर चढ़ी, फिर वह वहां से कूद गई। सिर फटने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को पीएम से भेज दिया है और मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

लोगों के सामने महिला ने लगाई छलांग: बताया जा रहा है कि इस दौरान बिल्डिंग के आसपास के कुछ लोग सड़क पर मौजूद थे। उन्होंने महिला को दौड़कर बिल्डिंग के ऊपर चढ़ते देखा।

फिर कुछ ही मिनटों में महिला बिल्डिंग के आठवें माले पर पहुंच गई। वहां से छलांग लगा दी। जमीन पर नीचे गिरते ही उसका सिर बुरी तरह फट गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार के साथ रहती थी महिला: आसपास मौजूद लोगों का कहना है कि महिला अपने परिवार के साथ रहती थी। थानेदार के मुताबिक, वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। हालांकि पुलिस महिला के परिवार वालों से पूछताछ कर रही है। इसके बाद ही आत्महत्या की असल वजह सामने आ पाएगी।

मामूली बात पर चले हाथ-मुक्के, डंडे

शहर में मामूली बात को लेकर दो लोगों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान आरोपी ने हाथ मुक्का और डण्डे से हमला किया है। पुलिस के मुताबिक सेजबहार इलाके में ग्राम धनेली में कल शाम मारपीट हो गई। बीएसयूपी कालोनी निवासी कमल नारायण साहू को हेमंत साहू ने गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर डण्डे से हमला कर धायल कर दिया। कमल ने इसकी शिकायत सेजबहार थाना में दर्ज कराई है। इधर उरला में भी बिना कारण मारपीट का मामला सामने आया है। कल शाम को इतवारी बाजार बीरगांव में नानू कोसरिया ने चंद्रशेखर कुर्रे को बाजार में आता देख गाली गलौज करने लगा। चंदशेखर के विरोध करने पर वह जान से मारने की धमकी देकर हाथ मुक्का से मारपीट की गई।

अचानक बलौदाबाजार पहुंचे सीएस-डीजीपी बोले-ऐसी घटना दोबारा न हो, सतर्क रहें

रायपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन एवं पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा शुक्रवार देर शाम जिला मुख्यालय बलौदाबाजार पहुंचे। उन्होंने आगजनी की घटना के बाद कलेक्ट्रेट बिल्डिंग के पूर्ण हो चुके रिस्टोरेशन कार्य का जायजा लिया तथा अधिकारियो की बैठक लेकर बेहतर दायित्व निर्वहन के लिए उनका मनोबल बढाया।

मुख्य सचिव ने कहा कि घटना बहुत ही दुर्भाग्यजनक है। इससे आम जनता तथा कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों को भौतिक नुकसान भी पहुंचा है और इस अप्रिय घटना के चलते सभी को भावनात्मक दु:ख पहुंचा है। आर्थिक नुकसान ते जल्द ठीक हो जाता है लेकिन भावनात्मक मनोदशा को ठीक करने में समय लगता है। जिला प्रशासन ने भवन का रिस्टोरेशन बहुत कम समय में पूर्ण कर लिया हैं। पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने कहा कि इस घटना की पुनरावृति न हो। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जो भी निर्देश दिए जा रहे हैं उसका पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर दीपक सोनी ने बतया कि 12 करोड़ रूपये का नुकसान हुआ है। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त वहानो के बीमा दावा राशि का भुगतान शुरू हो गया है।

पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि अब तक 153 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। संदेहियों की लगातार जाँच की जा रही है।

ताजा खबर
संक्षिप्त

बस टर्मिनल भाठागांव में युवक-युवती गांजे के साथ गिरफ्तार, कार्रवाई अब तक नहीं

रायपुर। राजधानी के टिकरापारा थाना इलाके में नए बस टर्मिनल से पुलिस ने 1 युवक और 1 युवती को गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। मामलें में जानकारी देते हुए टिकरापारा थाना प्रभारी ने बताया है कि मुखबिरों से सूचना मिली थी कि शुक्रवार दोपहर को एक बस से ओडिशा के रास्ते इनके गांजा लेकर रायपुर आने की सूचना मिली थी। पुलिस की टीम ने घेराबंदी करके 2 युवती और 1 युवक को गिरफ्तार किया मगर उनमें से एक युवती पुलिस को चकमा देकर फरार हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कल दोपहर में एक युवक और एक युवती को नये बस स्टेण्ड की काउंटर में गांजे के साथ पकड़ा और एक युवती भागने में कामयाब हो गई।इस संबंध में टिकरापारा पुलिस कागजी कार्रवाई कर रही है जो अभीतक तक चल रही है।

कोटा इलाके में हाफ मर्डर का फरार आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर थाना पुलिस को सूचना मिली की अपराध 193/23 धारा 294, 327, 307, 34 के प्रकरण का फरार आरोपी शिवम उर्फ सिबु देवांगन पिता भीमसेन देवांगन उम्र 20 साल विकास विहार गुढ़ियारी दत्ता फास्ट फूड गली थाना गुढ़ियारी रायपुर जो थाना सरस्वती नगर रायपुर के अपराध मे 11 महीने से फरार चल रहा था। मुखबिर सूचना मिला की घड़ी चौक के पास घूम रहा है मुखबिर के बताएं अनुसार आरोपी शिवम उर्फ शिबू देवांगन को घेराबंदी कर पकड़ा गया पूछताछ करने पर दिनांक घटना अपने साथियों के साथ मारपीट करना स्वीकार किया एवं दिनांक घटना से फरार रहना बताया आरोपी का ज्यूडिशियल रिमांड तैयार कर माननीय भेजा गया।

गाड़ी निकालने के विवाद पर सफाई कर्मियों से मारपीट

रायपुर। पुरानी बस्ती इलाके में अश्वनी नगर के पास आज सुबह निगम की गाड़ी जो घरों से कुड़ा उठाने का काम करती है, के चालक और हेलपर के साथ रहवासियों का विवाद हो गया। युवक ने गली से निगम की गाड़ी निकालने को लेकर ड्राइवर और हेल्पर को थप्पड़ जड़ दिया। इसके विरोध में सफाई कर्मचारियों ने काम बंद पुरानी बस्ती थाने का घेराव कर दिया है। वे मारपीट करने पर कार्रवाई की मांग की। पुरानी बस्ती पुलिस ने घटना पर तत्काल कार्रवाई कर आरोपी युवक को पकड़ लिया। जहां थाने में दोनों के बिच समझौता कराया गया। इससे पहले पिछले दिनों गुढियारी इलाके में भी सफाई कर्मी से मारपीट की गई थी और सफाई कामगार हड़ताल पर चले गए थे। सफाई कर्मियों का कहना है कि हम निगम की ओर से घरों से कुड़ा उठाने का काम करते है। ताकि शहर के साफ सुथरा रखा जा सके। लेकिन आए दिन रहवासी हमारे काम की अवहेलना कर बदसलूकी की जाती है।

शिकायतों पर फूड-सेफ्टी टीम की दबीश, गंदगी और बासी खाना मिला

अशोका बिरियानी के फ्रीज में एक साथ मिले वेज-नॉनवेज

रायपुर। रायपुर के मोहबा बाजार स्थित अशोका बिरियानी रेस्टोरेंट में फूड वेज में मांस निकलने की शिकायत के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। शुक्रवार रात खाद्य विभाग की टीम जांच के लिए अशोका बिरियानी पहुंची। इस दौरान किचन में क्रॉस कंटैमिनेशन का चौंकाने वाला मामले सामने आया। यहां वेज और नॉनवेज फूड एक साथ रखा जा रहा था।

दरअसल, शुक्रवार दोपहर अशोका बिरियानी की मोहबा बाजार स्थित ब्रांच में दो युवकों ने पालक की सब्जी में मांस का टुकड़ा होने की शिकायत की थी। युवकों का कहना था कि शिकायत की गई तो प्लेट हटा दी गई। वहीं, ब्रांच मैनेजर ने आरोपों को नकारते हुए दावा किया था कि मांस का टुकड़ा उनके किचन से नहीं आया है। अशोका बिरियानी रेस्टोरेंट काफी दिनों से विवादों में है। इसकी दुर्ग स्थित ब्रांच में हाल ही में एक कस्टमर ने वेज फूड में मांस का टुकड़ा होने की शिकायत की थी। इधर, रायपुर में शुक्रवार को आई शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग एक्टिव हो गया और देर शाम पूरी टीम जांच के लिए पहुंची। जांच के लिए पहुंची टीम ने पाया कि अशोका बिरियानी रेस्टोरेंट के किचन में वेज और नॉनवेज फूड एक साथ रखा जा रहा था। इस वजह से होटल में बार-बार शाकाहारी खाने में मांस के टुकड़े निकलने की शिकायत मिल रही है। किचन का साइज भी शाकाहारी और मांसहारी खाना बनाने और रखने के अनुपात में काफी छोटा है। किचन में रखे फ्रीजर में बड़ी मात्रा में बासी खाना भी पाया गया है, जिसे टीम ने नष्ट कराया। इसके अलावा रेस्टोरेंट साफ-सफाई के मापदंडों में भी खरा नहीं उतरा है। जांच टीम को वर्क एरिया में गंदगी मिली। यानी साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इस पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी रोशनी राजपूत ने प्रबंधन को हिदायत दी है।

दरअसल, दुर्ग के रहने वाले टिकेंद्र कुमार और केसरीनंदन साहू ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर करीब एक बजे वे एम्स अस्पताल आए हुए थे।

इस दौरान भूख लगी तो खाना खाने महोबा बाजार ओवर ब्रिज के नीचे स्थित अशोका बिरियानी पहुंचे। यहां उन्होंने वेज पुलाव, रोटी और पालक पनीर की सब्जी ऑर्डर की। प्लेट आई तो खाने के दौरान सब्जी के बीच उन्हें मांस का टुकड़ा दिखा। इस मामले में दोनों ने नाराजगी जताई तो प्रबंधन ने उन्हें माफी मांगने का आश्वासन दिया। लेकिन लंबे इंतजार के बाद भी उनसे माफी नहीं मांगी और न ही खाने का बिल दिया।

इस मामले को लेकर महोबा-बाजार ब्रांच मैनेजर साजू कुरियन ने दैनिक भास्कर को कहा कि कस्टमर ने मटर पालक की सब्जी मंगवाई थी। उसे स्टॉफ ने खुद परोसा था। जो मांस का टुकड़ा निकला है वो हमारे किचन से नहीं आया है। हम ष्टष्टञ्जङ्क भी चेक करेंगे। हालांकि दुर्ग में हुई इसी तरह की घटना को लेकर प्रबंधन ने माफी मांगी थी। अशोका बिरियानी रेस्टोरेंट में वेज फूड में नॉनवेज मिलने का ये पहले मामला नहीं है। इससे पहले 17 जून को भी एक कस्टमर ने वेज फूड में मांस का टुकड़ा मिलने की शिकायत की थी। मामला बढ़ता देख प्रबंधन ने माफी मांग ली, लेकिन कस्टमर ने फूड विभाग से शिकायत की बात कही थी।

सड़क किनारे चल रहे मोमोस सेंटर की भी जांच: फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट की टीम ने इसके अलावा भी गुढ़ियारी समेत कई इलाकों में संचालित मोमोस सेंटर में जांच की। यहां मोमोस विक्रेताओं को फूड कलर न मिलाने और बासी या एक्सपायर्ड चीजों का इस्तेमाल नहीं करने की सख्त हिदायत दी गई है। कई सेंटर में मोमोस सामग्री जांच के लिए जब्त भी की गई।

छत्तीसगढ़ में मानसून एक्टिव

मौसम विभाग का अलर्ट, कई जिलों में आज भारी बारिश

रायपुर। मानसूनी द्रोणिका के प्रभाव से शनिवार को छत्?तीसगढ़ के कई क्षेत्रों में भारी बारिश के आसार है। मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि रायपुर संभाग व बिलासपुर संभाग से लगे जिलों में यह भारी वर्षा हो सकती है। इनमें प्रमुख रूप से रायगढ़, महासमुंद, बलौदाबाजार, जशपुर सहित अन्य बहुत से क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। साथ ही कुछ क्षेत्रों में अंधड़ चलने के साथ बिजली भी गिर सकती है। प्रदेश के अधिकतम तापमान में भी गिरावट आएगी। बीते दो दिनों में अधिकतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।

विभाग के अनुसार रविवार तक मौसम का मिजाज ऐसा ही रहेगा। इसके बाद सोमवार एक जुलाई से प्रदेश में बारिश का दायरा भी बढ़ने वाला है। शुक्रवार को प्रदेश भर में बलरामपुर सर्वाधिक गर्म रहा, एआरजी बलरामपुर का अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री रहा। रायपुर का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को रायपुर सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहे तथा कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश भी हुई। इसके चलते अधिकतम व न्यूनतम तापमान में गिरावट भी दर्ज की गई। बीजापुर में 23 सेमी, नगरी में 9 सेमी, भाटापारा में 8 सेमी, बलौदाबाजार-जगदलपुर-पाटन में 7 सेमी, दोरनापाल-तोंगपाल-बस्तर में 6 सेमी बारिश हुई। इन क्षेत्रों के साथ ही प्रदेश के कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे लगे पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है। इसके साथ ही हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 5.8 किमी ऊंचाई तक फैला हुआ है।

सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम जरूरी

रायपुर।

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन ने यहां मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न स्थानों की सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जिलों के कलेक्टर्स से चर्चा की और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार सड़कों पर आवारा पशुओं के आ जाने के कारण हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति की आज बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सड़कों पर आवारा पशुओं के जमावाड़ा के कारण हो रही दुर्घटनाओं के चिन्हांकित स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

सड़कों पर आने वाले पशुओं को पकड़कर गौशालाओं में समुचित व्यवस्था के साथ रखा जाए। चिन्हांकित मार्गो पर पशु हटाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा है कि सड़कों पर आवारा अथवा पालतु पशुओं के पाए जाने पर उन्हें हटाने के लिए एक निश्चित व्यवस्था की जाए। बैठक में विभिन्न जिलों के कलेक्टर ने बताया कि सड़कों पर पशुओं को आने से रोकने के लिए विभिन्न विभागों के सहयोग से कार्यवाही की जा रही है तथा सड़कों पर पशु पाए जाने पर उन्हें गौशालाओं में रखा जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गो पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हाईवे एडवांस ट्रॉफिक्र मेनेजमेंट सिस्टम को तैयार किया जा रहा है। इसी तरह से पुलिस विभाग द्वारा सड़कों पर पेट्रोलिंग की जा रही है।

दो बाइक में भिड़ंत, एक की मौत, दूसरा गंभीर

अभनपुर। नवापारा में आज दो तेज रफ्तार बाइक की भिड़त हो गई. हादसे में एक बाइक चालक की मौत हो गई, वहीं दूसरा चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. मामला गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र का है. जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर करीब 2.30 बजे नवापारा तर्री के पास तेज रफ्तार दो बाइक की आपस में भिड़ंत हो गई. हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई. लोगों ने घटना की सूचना डायल 112 को दी. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस दोनों युवक को नवापारा सीएचसी लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया. मृतक का नाम मनीष साहू बताया जा रहा है, जो तर्री का रहने वाला था. मृतक निजी स्कूल में 12वीं कक्षा का छात्र था.

वहीं बाइक चालक दुलेश्वर साहू पिता रोहित साहू (22 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर किया जा रहा है. पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच करते हुए आगे की कार्रवाई में जुटी है।

भारतीय सिंधु सभा छत्तीसगढ़ के महामंत्री बने मुरलीधर शादीजा

रायपुर। भारतीय सिंधु सभा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष लधाराम नैनवानी ने मुरलीधर शादीजा को प्रदेश महामंत्री घोषित किया और संगठन को मजबूती प्रदान करने श्री शादिजा को ये जिम्मेदारी सौंपी।

नागरिकों को जल्द मिलेगी सुविधा, रायपुर नगर निगम और आईओसीएल के बीच हुआ एमओयू

राजधानी में 5 स्थानों पर लगेंगे फास्ट चार्जिंग स्टेशन

रायपुर। वाहनों से बढ़ते वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने सरकार द्वारा विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें ग्रीन एनर्जी का उपयोग एक महत्वपूर्ण कदम है जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। रायपुर के नागरिक भी ई व्हीकल का उपयोग कर रहे हैं।

इसी संदर्भ में जिला प्रशासन ने नागरिकों को फोर व्हीलर इलेक्ट्रिक वाहन के फास्ट चार्जिंग की सुविधा प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह की उपस्थिति में आज कलेक्टर सभाकक्ष में नगर निगम रायपुर और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मध्य एक महत्वपूर्ण एमओयू पर हस्ताक्षर किया। इस एमओयू के तहत राजधानी के पांच प्रमुख स्थानों पर आईओसएल द्वारा फास्ट चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे जिससे वाहनों का जल्द से जल्द रीचार्ज हो पाएगा। नागरिकों को इलेक्ट्रिक व्हीकल के लिए फास्ट चार्जिंग की सुविधा देने के लिए जिले के सुभाष स्टेडियम परिसर, पुराना स्मार्ट सिटी ऑफिस परिसर, गांधी उद्यान, अनुपम गार्डन और जवाहर बाज़ार पार्किंग। इस एमओयू के अंतर्गत, आईओसएल द्वारा स्थापित किए जाने वाले चार्जिंग स्टेशनों से होने वाली आय का 10न्न हिस्सा रायपुर नगर निगम के साथ साझा किया जाएगा। इस समझौते के होने से रायपुर में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को अधिक बढ़ावा मिलेगा और शहर की हरित पहल को मजबूत करने में मदद मिलेगी। फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना, नागरिकों को सुविधा प्रदान करने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल से रायपुर में पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी विकास का मेल होगा। इस अवसर पर नगर निगम के आयुक्त श्री अबिनास मिश्रा, जिला पंचायत के सीईओ श्री विश्वदीप, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद एवं आईओसीएल के सीनियर इंजीनियरिंग ऑफिसर श्री सौरभ प्रियदर्शन उपस्थित थे।

महिला स्व सहायता समूह को 9 गार्डन और 12 पानी टंकियों के रखरखाव की जिम्मेदारी

केन्द्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय की ओर से महिला स्वसहायता समूहों के लिए जल प्रबंधन एवं उद्यानों के रखरखाव और संधारण के लिए अमृत मित्र योजना जारी की गई है. इसका मुख्य उद्देश्य अमृत शहरों में महिला स्वसहायता समूह की ओर से आमजनता को शुद्ध पेयजल प्रबंधन और घरेलू पेयजल सुविधा पहुंचाई जा सके साथ ही समूहों के जीवनयापन में योजना के माध्यम से सहायता पहुंचाई जा सके. इसके लिए राजधानी के 9 गार्डन और 12 पानी टंकियों के रखरखाव के कार्य महिला स्व सहायता समूहों को सौंपा गया है।

अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में दो नवीन क्लास रूम का लोकार्पण

रायपुर। अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल बजाज कॉलोनी न्यू राजेन्द्रनगर में शुक्रवार को दो नवीन क्लास रूम का लोकार्पण हुआ। अनुकरणीय बात ये है कि इसके लिए राशि जुटाने रायपुर कैपिटल राउंड टेबल 241 के सदस्यों द्वारा आनंद मेले जैसे आयोजनों से फंड एकत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर नगर निगम के सभापति श्री प्रमोद दुबे तथा संस्था के एरिया चेयरमैन श्री सुमीत बरडिया विशेष अतिथि थे। संस्था को इस मुकाम तक ले जाने में गोदावरी पावर व इबलू का भी विशेष सहयोग रहा है।

इस मौके पर श्री प्रमोद दुबे ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा देने के मकसद से इस स्कूल की शुरुआत की गई थी तब लग रहा था बड़ी चुनौती है, लेकिन लोग स्वमेव जुड़ते गए और सहयोग के लिए हाथ बढ़ाया तो आज सर्वसुविधायुक्त इस स्कूल को देखकर गर्व से कह सकते हैं कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए यह एक बड़ा उदाहरण है। यहां अध्ययनरत्त बच्चों का भविष्य संवर रहा है और वे किसी भी नामचीन स्कूल से पीछे नहीं हैं। जरूरत के हिसाब से लगातार स्कूल का विस्तार भी किया जा रहा है, इसी कड़ी में आज दो नवीन क्लास रूम का लोकार्पण हुआ। श्री सुमीत बरडिया ने कहा कि आगे भी स्कूल की जो जरूरतें होंगी हमारी संस्था सहयोग करने तैयार है। रायपुर कैपिटल राउंड टेबल 241 के अध्यक्ष शास्वत सराफ और सचिव अक्षत टंडन के विशेष रूचि लेने के कारण काफी कम समय में दो क्लास रूम, 2 वाश रूम, टायलेट के साथ लगभग डेढ़ लाख रुपए की टेबल कुर्सी, बिजली, पंखे, पानी इत्यादि की सुविधा भी मुहैया करायी गई है। उन्होने कहा कि ऐसे बच्चों के स्कूल को मदद करने में एक अलग ही सुखद अनुभूति होती है। संस्था के सभी सदस्य आगे भी हर सहयोग करने तत्पर रहेंगे। इस अवसर पर रायपुर कैपिटल राउंड टेबल 241 के अध्यक्ष शास्वत सराफ और सचिव अक्षत टंडन के अलावा उमंग जुनेजा (इमीडेट चेयरमैन), प्रतीक बेनीवाल (वाइस चेयरमैन), अक्षय बरडिया (ट्रेजरर), नैतिक पारख और मृणाल गोलछा (प्रोजेक्ट मैनजर), अर्पण कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा, कोआर्डिनेटर सीमा छाबड़ा व गणमान्य जन प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ताजा खबर
संक्षिप्त

निर्माण के बाद पहली बारिश में राम पथ पर हुए गड्ढे, एक्शन में योगी सरकार

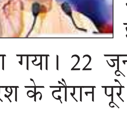

यूपी। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर की ओर जाने वाले राम पथ के निर्माण में लापरवाही को लेकर पीडब्ल्यूडी विभाग पर शिकंजा कस दिया है। इस मामले में तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया। 22 जून को शहर में प्री-मानसून बारिश के दौरान पूरे राम पथ पर गड्ढे दिखाई देने के बाद सख्त कार्रवाई की गई। पीडब्ल्यूडी विभाग ने इस घटना के लिए मौसम को जिम्मेदार बताते हुए कहा था कि 22 जून की रात को 102 मिमी और 25 जून की रात को 176 मिमी बारिश हुई थी। गौरतलब है कि राम पथ का निर्माण पिछले साल किया गया था और इसके निर्माण के बाद यह पहली बारिश थी, जिसने काम में लापरवाही उजागर की थी। राम पथ निर्माण में लापरवाही के मामले में योगी सरकार ने पीडब्ल्यूडी विभाग के तीन इंजीनियरों पर कार्रवाई की है।

डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन को कह दिया- मंचूरियन

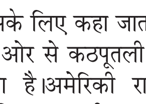

यूएस। मंचूरियन उम्मीदवार हैं। उन्हें चीन से पैसा मिलता है। वैसे तो मंचूरियन कैंडिडेट अक्सर अमेरिकी राजनीति में इस्तेमाल किया जाने वाला फ्रेज है। इसका खाने वाले मंचूरियन से कोई कनेक्शन नहीं है। ये जिसके लिए कहा जाता है कि उन्हें दुश्मन पावर की ओर से कठपुतली की तरह इस्तेमाल किया जाता है।अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन पर चीन से पैसे लेने का आरोप लगाया और अपनी पहली राष्ट्रपति बहस के दौरान उन्हें मंचूरियन उम्मीदवार कहा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में इस समय इतिहास का सबसे बड़ा घाटा है। तीखी बहस के दौरान ट्रंप ने कहा कि चीन के साथ हमारा सबसे बड़ा घाटा है। उन्हें चीन से भुगतान मिलता है। वह मंचूरियन उम्मीदवार हैं। उन्हें चीन से पैसा मिलता है। वैसे तो मंचूरियन कैंडिडेट अक्सर अमेरिकी राजनीति में इस्तेमाल किया जाने वाला फ्रेज है। इसका खाने वाले मंचूरियन से कोई कनेक्शन नहीं है। ये जिसके लिए कहा जाता है।

संकट के समय में दिल्ली सरकार भाग जाती है

नई दिल्ली। भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी में जलभराव को लेकर कांग्रेस ने शुक्रवार को अपनी सहयोगी आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली का कोई भी इलाका ऐसा नहीं है जहां आज जलभराव न हुआ हो, चाहे रेलवे स्टेशन हों, एयरपोर्ट हों, पार्क हों या रिहायशी इलाके हों। पहली बार दिल्ली थम गई। हम नियमित रूप से पत्र लिखकर सरकार को मानसून के बारे में सचेत करते रहे हैं, लेकिन संकट के समय में दिल्ली सरकार भाग जाती है, जैसा कि आज देखा गया है। दिल्ली में जलभराव की समस्या को लेकर कांग्रेस लगातार आप पर हमला बोल रही है। पार्टी की दिल्ली इकाई ने कथित तौर पर चांदनी चौक के सीस गंज साहिब गुरुद्वारे का एक वीडियो पोस्ट किया और कैप्शन दिया, पूरी दिल्ली का बुरा हाल है, यहां तक ??कि चांदनी चौक के गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में भी पानी भर गया है... दिल्ली कब खुलेगी? सरकार और नगर निगम जागे? सोशल मीडिया पर शहर के कई हिस्सों में जलभराव दिखाने वाले कई वीडियो और तस्वीरें सामने आई हैं। जहां कुछ वाहन पानी में डूबे हुए दिखे, वहीं अन्य वाहन गड्ढों में पड़े दिखे, क्योंकि भारी बारिश के कारण कुछ इलाकों में सड़कें धंस गईं।

एक-दो नहीं, कुल 60 लोगों से इस महिला ने रचाई शादी!

जब भी कोई व्यक्ति शादी के बारे में सोचता है, तो वो ऐसे शख्स का चुनाव करना चाहता है, जिससे उसकी सोच मिले, जसके साथ वो खुश रहता हो और जिसे वो अपने जीवनसाथी के तौर पर देख सके. पर सोचिए कि अगर आपकी जिंदगी में इन खूबियों वाले एक से ज्यादा लोग हों तो आप क्या करेंगे? बेशक आप उनमें से किसी एक को ही चुनेंगे, पर ऑस्ट्रेलिया की एक महिला ने एक-दो को नहीं, पूरे 60 लोगों को चुना और उसने उन 60 लोगों से एक साथ शादी कर ली. द सन वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार 40 साल की कार्ली सारे एक वेडिंग फोटोग्राफर हैं. उन्होंने दर्जनों लोगों की शादियों में फोटोज खीची हैं. उन्होंने उन लोगों को साथ कसमें खाते, प्यार जताते और एक बंधन में बंधते देखा है. पर जब उनकी बारी आई, तो उन्होंने किसी एक को अपना जीवनसाथी नहीं चुना, बल्कि एक साथ 60 लोगों को चुना और उनसे शादी कर ली. दरअसल, ये 60 लोग कार्ली के सबसे जिगरी दोस्त हैं जो उनके जीवन में बहुत अहमियत रखते हैं. रिपोर्ट के अनुसार कार्ली को शादी का कॉन्स्पेट ठीक नहीं लगता. उन्हें ये नहीं अच्छा लगता कि लोग किसी एक आदमी के नाम जिंदगी कर देते हैं और उसी के साथ जीते हैं. वो एक से ज्यादा लोगों के लिए जीना चाहती हैं और ज्यादा पार्टनर्स के साथ रहना चाहती हैं, बस इसी वजह से उन्होंने इतने दोस्तों को चुना, जिसमें पुरुष और स्त्रियां दोनों ही शामिल हैं।

दिखने में काल्पनिक लगती हैं धरती की ये जगहें

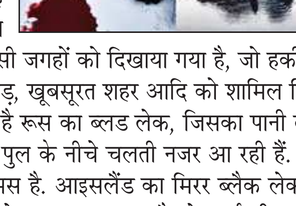

ये जगहें दुनिया में बेहद खूबसूरत हैं और देखने से लगता है जैसे किसी दूसरी दुनिया में मौजूद हैं. हमारी धरती कितनी खूबसूरत है, इसका तो अंदाजा आपको होगा ही, पर मुमकिन है कि आपने धरती की हर खूबसूरत जगह को न देखा हो. पृथ्वी पर ऐसी कई जगहें हैं जो दिखने में बेहद काल्पनिक लगती हैंज्आप यहां जाएंगे तो लगेगा जैसे आप किसी दूसरी दुनिया में चले आए हैं. कुछ जगहें प्राकृतिक हैं वहीं कुछ जगहें मैन-मेड हैं. पर असल में ये जगहें हकीकत हैं. जब आप इन जगहों को देखेंगे तो हैरान हो जाएंगे. इंस्टाग्राम अकाउंट पर हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया गया है, जिसमें धरती की ऐसी जगहों को दिखाया गया है, जो हकीकत से परे लगती हैं. इसमें झीलें, इंसानों द्वारा बनाई गई ट्रेनें, इमारतें, प्रतिमाएं, पहाड़, खूबसूरत शहर आदि को शामिल किया गया है. चलिए आपको बताते हैं कि ये जगहें कौन सी हैं. सबसे पहली जगह है रूस का ब्लड लेक, जिसका पानी लाल है. फिर आती है चीन की वुहान लाइट रेल. इसमें आप देख सकते हैं कि ट्रेनें पुल के नीचे चलती नजर आ रही हैं. फिर आता है नीदरलैंड का एम्सटर्डैम शहर जो अपने अनोखे डिजाइन के लिए फेमस है. आइसलैंड का मिरर ब्लैक लेक भी इस लिस्ट में है जिसका पानी काला लगता है. कनाडा की स्की फैसिलिटी भी बेहद शानदार जगह है जो स्वर्ग सी लगेगी. अगला नंबर है स्विट्जरलैंड का, जिसे जन्नत माना जाता है. पहाड़ों के बीच खूबसूरत गांव दिल को छू जाते हैं।

आज का दिन संसद के इतिहास में इतना..., अचानक राज्यसभा में

मल्लिकार्जुन खड़गे पर भड़के सभापति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क) स्थगन से ठीक पहले, भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पर बोलना शुरू किया था। जब सदन दोबारा शुरू हुआ तो लगभग ऐसे ही दृश्य थे और त्रिवेदी का भाषण फिर से बाधित हो गया। एक समय मल्लिकार्जुन खड़गे भी वेल में आ गए और विपक्ष के विरोध में शामिल हो गए।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार (28 जून) को विपक्ष के विरोध के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के सदन के वेल में आने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कहा कि इतिहास में यह पहली बार है कि इस पद पर बैठा कोई व्यक्ति इस तरह के आचरण में शामिल है। विपक्ष के विरोध और नारेबाजी के कारण संसद के ऊपरी सदन की कार्यवाही शुक्रवार को तीन बार स्थगित करनी पड़ी। सुबह के सत्र में सूचीबद्ध कागजात सदन के पटल पर रखे जाने के तुरंत बाद, सभापति ने सूचित किया कि उन्होंने दिन के निर्धारित कार्य को निलंबित करने और कथित एनईईटी अनियमितताओं के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विपक्षी नेताओं के 22 नोटिस स्वीकार नहीं किए हैं। जिसकी मांग कई नेताओं ने की थी। इस घोषणा के बाद विपक्षी सांसदों ने विरोध शुरू कर दिया और नारे लगाने शुरू कर दिए, जबकि उनमें से कई सदन के वेल में आ गए। इसके चलते कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। स्थगन से ठीक पहले, भाजपा नेता सुधांशु त्रिवेदी ने संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पर बोलना शुरू किया था। जब सदन दोबारा शुरू हुआ तो लगभग ऐसे ही दृश्य थे और त्रिवेदी का भाषण फिर से बाधित हो गया। एक समय मल्लिकार्जुन खड़गे भी वेल में आ गए और विपक्ष के विरोध में शामिल हो गए। राज्यसभा सभापति ने टिप्पणी की कि विपक्ष के किसी नेता द्वारा वेल में आने का कृत्य इतिहास में पहली बार हुआ है और यह संसद के लिए एक कलंक बन गया है। उन्होंने दोपहर दो बजे तक कार्यवाही स्थगित करने से पहले कहा, %%मुझे दुख है और आश्चर्य है कि भारतीय संसदीय परंपरा इतनी नीचे गिर जाएगी कि विपक्ष के नेता वेल में आ जाएंगे। बाद में फिर उन्होंने घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह का आचरण, नीच आचरण, ऐसा आचरण जो हर भारतीय को दुख पहुंचाएगा, इस संस्था को शर्मसार करेगा। हम यहां निर्वाचित होकर उच्च सदन, बड़ों के सदन के सदस्य होने का गौरव प्राप्त करते हैं। यदि इस सदन में हम इस तरह का अभद्र व्यवहार करते हैं तो यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। बाद में शाम करीब छह बजे दिन भर के लिए स्थगित करने से पहले सदन ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू की। सोमवार सुबह 11 बजे राज्यसभा की दोबारा बैठक होगी।

लोकसभा में कार्यवाही बाधित करने के लिए किरेन रीजीजू ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण से संबंधित धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा नहीं करने और कार्यवाही को बाधित करने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया और विपक्षी दल पर संसदीय परंपराओं को तोड़ने का आरोप लगाया। लोकसभा में नीट के मुद्दे पर कांग्रेस समेत विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित किए जाने के कुछ ही देर बार रीजीजू का बयान आया। उन्होंने कहा, ''सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन संसदीय कार्यवाही को रोकने का कांग्रेस का रवैया अच्छा नहीं है। कांग्रेस जिस तरीके से संसदीय परंपराओं और परिपाटियों की अवहेलना कर रही है, मैं उसकी निंदा करता हूं।'' रीजीजू ने कहा कि संसदीय परंपराओं के अनुसार सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा अन्य किसी भी मुद्दे पर चर्चा से पहले होती है। उन्होंने कहा, ''लेकिन कांग्रेस ने ऐसा मुद्दा उठाया जो सदन की गरिमा के विरुद्ध है। कांग्रेस पार्टी के नेता ने कहा कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा नहीं होनी चाहिए और पहले दूसरे मुद्दों पर बात होनी चाहिए।'' रीजीजू ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों को धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नीट का मुद्दा विस्तार से उठाने को कहा था और साथ ही कहा था कि सरकार उस पर जवाब देगी। उन्होंने कहा, ''सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन यह नियमों के अनुसार होनी चाहिए। धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा तीन दिन तक चलेगी। चर्चा के दौरान सदस्य विस्तार से अपने विचार रख सकते हैं।

राहुल गांधी ने संसद में उठाया NEET का मुद्दा, बोले- यह देश के भविष्य से जुड़ा मामला

अपने बयान में राहुल ने कहा कि यह युवाओं से जुड़ा मुद्दा है और इंडिया गुट का मानना ??है कि यह सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि संसद को युवाओं को संदेश देना चाहिए कि सरकार और विपक्ष छात्रों की चिंताओं को उठाने में एक साथ हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नीट परीक्षा के संचालन में कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर संसद में सम्मानजनक और अच्छी चर्चा करने का आग्रह किया क्योंकि यह देश के युवाओं से संबंधित है। कांग्रेस नेता ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा कि नीट मुद्दा आज का सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है और विपक्षी दल इस बात पर सहमत हैं कि किसी भी अन्य चीज से पहले इस पर चर्चा की जानी चाहिए। अपने बयान में राहुल ने कहा कि यह युवाओं से जुड़ा मुद्दा है और इंडिया गुट का मानना ??है कि यह सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। उन्होंने कहा कि संसद को युवाओं को संदेश देना चाहिए कि सरकार और विपक्ष छात्रों की चिंताओं को उठाने में एक साथ हैं। मैं पीएम मोदी से आग्रह करता हूं कि वे संसद में ह्श्वश्वञ्ज मुद्दे पर सम्मानजनक, अच्छी चर्चा करें क्योंकि यह देश के युवाओं से संबंधित है। वहीं, संसद में राहुल ने कहा कि हम विपक्ष और सरकार की ओर से भारत के छात्रों को एक संयुक्त संदेश देना चाहते थे - कि हम इसे एक महत्वपूर्ण मुद्दा मानते हैं। इसलिए, हमने सोचा कि छात्रों का सम्मान करने के लिए हम आज ह्श्वश्वञ्ज पर चर्चा करेंगे, एक समर्पित चर्चा। हालांकि, स्पीकर ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि पहले राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाए। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (अंडरग्रेजुएट) या एनईईटी-यूजी एनटीए द्वारा 5 मई को आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 24 लाख उम्मीदवारों ने भाग लिया था। परिणाम 4 जून को घोषित किए गए थे, लेकिन इसके बाद अन्य अनियमितताओं के अलावा बिहार जैसे राज्यों में प्रश्न पत्र लीक के आरोप लगे। शिक्षा मंत्रालय ने इनपुट मिलने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) और एनईईटी (स्नातकोत्तर) परीक्षाओं को भी रद्द कर दिया। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से जुड़ी कथित अनियमितताओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की 'नाकामी' और पेपर लीक से जुड़े मुद्दों पर तत्काल चर्चा कराने की मांग को खारिज किए जाने के बाद विपक्षी सदस्यों ने शुक्रवार को राज्यसभा में हंगामा किया।

ISRO जासूसी मामले में सीबीआई ने पांच अधिकारियों के खिलाफ दायर की चार्जशीट

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क) सीबीआई ने 1994 के इसरो जासूसी मामले में अंतरिक्ष वैज्ञानिक नंबी नारायणन को कथित तौर पर फंसाने के सिलसिले में दो पूर्व डीजीपी, केरल के सिबी मैथ्यूज और गुजरात के आर बी श्रीकुमार के अलावा तीन अन्य सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद 2021 में दर्ज इस मामले में सीबीआई ने तीन साल बाद चार्जशीट दायर की है। सीबीआी ने तत्कालीन पुलिस उप महानिरीक्षक मैथ्यूज के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है, जिन्होंने 1994 के भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जासूसी मामले की पड़ताल करने वाले एसआईटी का नेतृत्व किया था। इसके अलावा श्रीकुमार, जो उस समय खुफिया ब्यूरो में उप निदेशक थे, एसआईबी-केरल में तैनात पी एस जयप्रकाश, तत्कालीन पुलिस उपाधीक्षक के के जोशुआ और निरीक्षक एस विजयन के खिलाफ भी चार्जशीट दाखिल की गई। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने उन पर आईपीसी की धाराओं 120बी (आपराधिक साजिश), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना), 330 (स्वीकारोक्ति करवाने के लिए स्वेच्छा से चोट पहुंचाना), 167 (झूठे दस्तावेज तैयार करना), 193 (मनगढ़ंत सबूत तैयार करना), 354 (महिलाओं पर आपराधिक हमला) के तहत आरोप लगाए हैं।

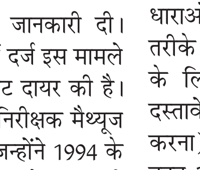

रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क) ओडिशा के पुरी में हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें हजारों की संख्या में भक्त शामिल होते हैं. इस यात्रा में तीन भव्य रथों पर भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और देवी सुभद्रा विराजते हैं. इस साल य?ह यात्रा 7 जुलाई को सुबह 04 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी. वहीं, इसका समापन 08 जुलाई, सुबह 04 बजकर 59 मिनट पर होगा. लेकिन क्या आप जानते हैं इस यात्रा के शुरू होने से 15 दिन पहले जगत के पालनहार बीमार पड़ जाते हैं. ऐसा क्यों होता है और क्या है इसके पीछे की वजह और इससे जुड़ी पौराणिक कहानी, आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिष आचार्य पंडित योगेश चौरे से. पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ का एक परम भक्त था, जिसका नाम माधव था. एक दिन जब वह बीमार हो गया तो उस दौरान स्वयं भगवान जगन्नाथ उसकी सेवा करने पहुंचे. जब भक्त ने कहा प्रभु आप मेरी सेवा क्यों कर रहे हैं, आप तो मुझे ठीक भी कर सकते हैं. इस पर भगवान ने कहा कि प्रारब्ध तो झेलना ही पड़ता है चाहे कुछ भी हो. यदि आप इसे अभी कटवा लोगे तो अगले जन्म में आपको भोगना पड़ेगा. भगवान जगन्नाथ भक्त माधव से कहते हैं कि जो पीड़ा तुम्हें हो रही है, इसे 15 दिनों तक और झेलनी पड़ेगी, इसलिए यह पीड़ा तुम मुझे दे दो, मैं इस पीड़ा को भोग लूंगा तो तुम्हारा प्रारब्ध कट जाएगा. मान्यता है कि तभी से भगवान जगन्नाथ साल में एक बार 15 दिनों के लिए बीमार होते हैं. एक और मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा रथ पर बैठकर अपनी मौसी के घर जाते हैं. वे अपनी मौसी के घर 7 दिन तक रुकते हैं. इसके बाद वह वापस आते हैं. यह परंपरा हर साल निभाई जाती है।

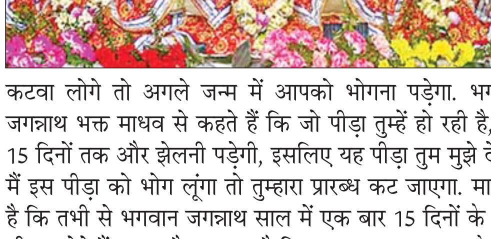

क्या बड़ा फैसला लेने जा रहे हैं नीतीश कुमार?

बिहार से लेकर दिल्ली तक हलचल तेज, संजय झा को लेकर भी चर्चा

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में, जद-यू ने बिहार में जिन 16 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 12 पर जीत हासिल की। इसके अलावा, पार्टी को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के हिस्से के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी प्रतिनिधित्व मिला है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल (यूनाइटेड) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच चुके हैं। नीतीश कुमार जनता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष भी हैं। जदयू की इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं जिसकी वजह से इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। जदयू की इस बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में भी जबरदस्त चर्चा है। कहीं नीतीश कुमार के फिर से पलटी मारने की भविष्यवाणी की जा रही है। तो कहीं इस बात का दावा किया जा रहा है कि नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी को लेकर फैसला हो सकता है। कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि नीतीश कुमार भाजपा से नाराज है। इसलिए वह काफी दिनों से कुछ बोल नहीं रहे हैं। पार्टी महासचिव केसी त्यागी ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण बैठक है क्योंकि यह लंबे समय से आयोजित नहीं की गई थी।% यह एक नियमित अभ्यास है, जिसका मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और उसका विस्तार करना है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कुमार राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से पहले लोकसभा और राज्यसभा दोनों के पार्टी सांसदों से भी मिलेंगे। बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों, महासचिवों, सचिवों और प्रदेश अध्यक्षों के अलावा सभी सांसद और मंत्री उपस्थित रहेंगे, इस दौरान पार्टी द्वारा हाल के दिनों में लिए गए विभिन्न फैसले, इसके प्रभाव, लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन और आगे की राह पर चर्चा होगी। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए चर्चा की जाएगी। इस बैठक में जेडीयू सांसद संजय झा को पार्टी के अंदर महत्वपूर्ण भूमिका दी जा सकती है. हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनावों में, जद-यू ने बिहार में जिन 16 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 12 पर जीत हासिल की। इसके अलावा, पार्टी को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के हिस्से के रूप में केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी प्रतिनिधित्व मिला है। जद-यू भाजपा के प्रमुख गठबंधन सहयोगियों में से एक है। यह बैठक पटना उच्च न्यायालय द्वारा राज्य में पहले जाति सर्वेक्षण के आधार पर अन्य पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बढ़ाने के बिहार सरकार के फैसले को रद्द करने के कुछ ही दिनों बाद हो रही है। नीतीश कुमार राष्ट्रव्यापी जाति-आधारित जनगणना की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा अभी तक इस पर सहमत नहीं हुई है और इसके बजाय उन्हें राज्य स्तर पर यह अभ्यास करने के लिए कहा है।

कजाकिस्तान में एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए/नेट डेस्क)

विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3-4 जुलाई को कजाकिस्तान में आगामी शंघाई सहयोग संगठन (एससी) शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे और विदेश मंत्री एस जयशंकर बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जहां रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन होंगे। चीन के शी जिनपिंग के भाग लेने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने गुरुवार को नई दिल्ली में अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि एससीओ में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री करेंगे। यह एससीओ शिखर सम्मेलन 3 से 4 जुलाई के बीच होना है। इसलिए विदेश मंत्री वहां हमारे प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इससे पहले, कई रिपोर्टों में अनुमान लगाया गया था कि पीएम मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे, जबकि नई लोकसभा का पहला संसदीय सत्र चल रहा है। जयशंकर के शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद थी जहां पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ के भाग लेने की संभावना है। पिछले साल, भारत ने वस्तुत: एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी, जहां विदेश मंत्री जयशंकर ने तत्कालीन पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की उपस्थिति में आतंकवाद पर चिंता व्यक्त की थी। पुतिन ने शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया और आतंकवाद, उग्रवाद और नशीली दवाओं की तस्करी से निपटने के लिए आपसी सहयोग पर नई दिल्ली घोषणा का समर्थन किया। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का गठन 2001 में चीन द्वारा किया गया था। इसके सदस्यों में भारत, रूस, चीन, पाकिस्तान और चार मध्य एशियाई देश - कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। 2017 में भारत और पाकिस्तान इसके स्थायी सदस्य बने।

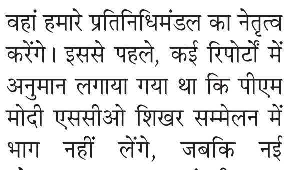

इरडा ने ग्राहकों की मदद के लिए पॉलिसी शब्दावली को अनुकूलित करने की सुविधा दी

नई दिल्ली — भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (इरडा) के नए दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि ग्राहकों को अपने बीमा उत्पादों को कस्टमाइज़ करने की अनुमति होगी। इसका मतलब है कि ग्राहक अब अपनी चिकित्सा स्थितियों और विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर विशिष्ट उत्पाद, ऐड-ऑन और राइडर्स चुन सकते हैं। बीमाकर्ता सामान्य चिकित्सा बीमा आवश्यकताओं को कवर करने के लिए विभिन्न विकल्प प्रदान करते हैं, और वे सभी चिकित्सा स्थितियों और विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विशेष उत्पाद विकसित कर रहे हैं। बीमाकर्ताओं और पॉलिसीधारकों के बीच स्पष्ट और पारदर्शी संचार का महत्व। इसका समर्थन करने के लिए, उन्होंने स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों के लिए सीआईएस के लिए एक सरल प्रारूप पेश किया है, जो 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी है। यह कदम पॉलिसीधारकों द्वारा जटिल भाषा के उपयोग के कारण पॉलिसी के नियमों और शर्तों को समझने में आने वाली कठिनाई के बारे में शिकायत करने के बाद उठाया गया था। यह ग्राहकों को उत्पादों, लागू नियमों और शर्तों और अन्य विवरणों को अधिक स्पष्टता के साथ समझने में मदद करेगा, नवले गोयल, संस्थापक और सीईओ, पॉलिसीएक्स.कॉम , एक बीमा वेब एग्रीगेटर कहते हैं।नए सीआईएस प्रारूप का उद्देश्य बीमाकर्ताओं और पॉलिसीधारकों के बीच पारदर्शिता बढ़ाना है। बीमा अनुबंध कानूनी अनुबंध हैं और इस्तेमाल की जाने वाली भाषा तकनीकी है। सीआईएस पॉलिसीधारकों को आसानी से समझ में आने वाले प्रारूप में आवश्यक पॉलिसी जानकारी प्रदान करता है।

इरडा के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बीमाकर्ताओं, बिचौलियों और एजेंटों को सभी पॉलिसीधारकों को अपडेटेड सीआईएस भेजना चाहिए और भौतिक या डिजिटल रूप से पावती प्राप्त करनी चाहिए।बजाज एलियांज जनरल इंश्योरेंस के स्वास्थ्य प्रशासन टीम के प्रमुख भास्कर नेरुरकर कहते हैं, इरडा ने मुख्य रूप से ग्राहक डेटा की सुरक्षा और बीमा उद्योग में सूचना संग्रह की प्रक्रिया को मानकीकृत करने के लिए इसकी घोषणा की है। नए प्रारूप का उद्देश्य अधिक संगठित, संरचित प्रणाली बनाना, डेटा प्रविष्टि को सरल बनाना और एकत्र की गई जानकारी की गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार करना है। बीमाकर्ताओं और पॉलिसीधारकों दोनों के लिए, अपडेटेड सीआईएस को अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया गया है। जबकि इसमें डेटा प्रविष्टि को आसान बनाने और त्रुटियों को कम करने के लिए एक स्पष्ट लेआउट और मानकीकृत फ़ील्ड हैं, यह त्वरित सूचना पुनर्प्राप्ति की सुविधा भी देता है। कुल मिलाकर, यह प्रक्रिया बीमा प्रदाताओं के साथ उनकी बातचीत में पॉलिसीधारकों के लिए दक्षता और सरलता को बेहतर बनाने में मदद करती है। पॉलिसीधारकों के लिए, संशोधित सीआईएस प्रारूप स्पष्ट निर्देश प्रदान करता है और बीमा पॉलिसियों के लिए सटीक और अद्यतित जानकारी प्रदान करना आसान बनाता है। ग्राहकों के लिए इसका क्या मतलब है- सीआईएस आपकी बीमा पॉलिसी के बारे में महत्वपूर्ण विवरणों का संक्षिप्त विवरण देता है। बीमा कंपनियों को यह शीट तब प्रदान करनी चाहिए जब कोई ग्राहक पॉलिसी खरीदता है या उसका नवीनीकरण करता है। नया, बेहतर सीआईएस प्रारूप ग्राहकों के लिए स्वास्थ्य बीमा की जटिल शर्तों और प्रक्रियाओं को समझना आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्वास्थ्य बीमा दस्तावेज़ अक्सर बहुत लंबे होते हैं और तकनीकी भाषा का उपयोग करते हैं, जिससे अधिकांश लोगों के लिए आवश्यक जानकारी को समझना मुश्किल हो जाता है। अपडेट किए गए सीआईएस का उद्देश्य इस प्रक्रिया को सरल बनाना और पॉलिसी का सीधा सारांश प्रदान करना है।

डाइटिंग किए बिना वजन घटाना चाहते हैं? अपनाएं ये 5 प्रभावी तरीके

आमतौर पर लोग वजन घटाने के लिए डाइटिंग करना शुरू कर देते हैं, लेकिन अगर इसका तरीका सही न हो या फिर मनचाह परिणाम न मिले तो कोई फायदा नहीं है।अगर आप जिम जाना नहीं चाहते या अपना पसंदीदा व्यंजन छोड़े बिना वजन घटाना चाहते हैं तो वजन घटाने के लिए कई प्रभावी तरीके हैं।आइए जानते हैं कि वजन घटाने के लिए डाइटिंग के अलावा क्या-क्या किया जा सकता है।

हाइड्रेशन का रखें ध्यान

भरपूर पानी का सेवन वजन नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 गिलास पानी पीने की जरूरत होती है। सही मात्रा में पानी पीना, विशेष रूप से गर्म पानी शरीर के फैट को कम करने में मदद कर सकता है।आप चाहें तो अपनी डाइट में डिटॉक्स वॉटर भी शामिल कर सकते हैं।यहां जानिए पानी को पर्याप्त मात्रा में पीने के तरीके।

पर्याप्त नींद लेना है महत्वपूर्ण

अगर घर में एसी या कूलर जैसे उपकरण नहीं हैं तो आपके लिए उमस भरे मौसम में 7-8 घंटे की नींद लेना मुश्किल हो सकता है, लेकिन रोजाना इतने घंटे की नींद पूरी करना जरूरी है।दरअसल, वजन घटाने के लिए मेटाबॉलिज्म के स्तर का तेज होना महत्वपूर्ण है, जिसके लिए पर्याप्त नींद लेना जरूरी है।यहां जानिए सुकुन की नींद लेने के लिए किए जाने वाले जरूरी काम।

मन लगाकर खाना खाएं

मन लगाकर खाना खाने से मतलब है कि भोजन करते समय अपना पूरा ध्यान उस पर लगाएं क्योंकि यह भूख के संकेतों को पहचानने और अधिक खाने से रोकने में मदद कर सकता है।हालांकि, आजकल लोग खाते समय मोबाइल और टीवी को देखते हुए खाना खाते हैं, जो स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है और वजन बढ़ाने का भी कारण बन सकता है।इसलिए आप ऐसा न करें और मन लगाकर खाना खाएं।

तनाव को कम करने की करें कोशिश

ऐसी कई परिस्थितियां उत्पन्न हो जाती है, जो तनाव दे सकती हैं। हालांकि, इसे बढ़ने से रोकना बहुत जरूरी है।इसका कारण है कि तनाव वजन को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो सकता है क्योंकि भावनात्मक रूप से खाने की लालसा को बढ़ाता है, जिससे वजन बढ़ता है।इस समस्या को प्रबंधित करने के लिए आप ध्यान, योग, एक्यूपंक्चर और अरोमाथेरेपी आजमा सकते हैं।यहां जानिए नाचने से वजन कैसे कम होता है।

खुद को भूखा न रखें

खुद को भूखा न रखें और भूख लगने का इंतजार न करें, बल्कि रोजाना दिन में 5 से 6 बार कुछ न कुछ हल्का खाएं। इसका कारण है कि भूख लगने पर अनहेल्दी स्नैकिंग की लालसा बढ़ जाती है। हालांकि, अगर कभी अत्यधिक भूख लग जाती है तो फाइबर युक्त चीजें खाएं क्योंकि उन्हें चबाने की बहुत आवश्यकता होती है।

सेंसेक्स की तेजी ने रिकॉर्ड 79 हजार को पार किया

मुंबई — शुक्रवार के सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी ने अपनी चार दिवसीय तेजी को समाप्त कर दिया। दिन के पहले हिस्से में नई ऊंचाई को छूने के बाद, बैंकिंग और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली के कारण दोनों सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। पहले हिस्से में 79,672 के नए उच्च स्तर को छूने के बाद सेंसेक्स 210 अंक गिरकर 79,033 पर बंद हुआ। इस बीच, निफ्टी - दिन के दौरान 24,174 के नए जीवन-उच्च स्तर को छूने के बाद - 34 अंक गिरकर 24,010 पर बंद हुआ। बिकवाली के दबाव के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज में मजबूत तेजी की बदौलत सेंसेक्स और निफ्टी 79,000 और 24,000 के मनोवैज्ञानिक स्तरों से ऊपर बंद हुए। रिलायंस के शेयर शुक्रवार को 2.2त्न बढ़कर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए, जब इसकी दूरसंचार शाखा ने अपने टैरिफ में संशोधन किया। मेहता इक्विटीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली के कारण प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट आई, जो शुरुआती आशावाद में नए इंट्रा-डे उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। उन्होंने कहा, चालू महीने में अब तक एफआईआई की नई खरीदारी और जेपी मॉर्गन ईएम बॉन्ड इंडेक्स में भारतीय सरकारी बॉन्ड को शामिल किए जाने से इस सप्ताह बड़ी तेजी आई है, लेकिन बाजार एक बार फिर अस्थिर हो सकते हैं, क्योंकि उच्च मूल्यांकन और ब्याज दर रुख में कोई बदलाव नहीं होने से निवेशक नियमित अंतराल पर मुनाफावसूली कर सकते हैं।

जून में भारतीय बाजारों में सुधार का श्रेय विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को जाता है, जिन्होंने महीने में 2.3 बिलियन डॉलर के शेयर खरीदे हैं, जिससे दो महीने की बिकवाली का सिलसिला खत्म हुआ। सेंसेक्स के शीर्ष हारने वाले इंडसइंड बैंक (2.6%), एक्सिस बैंक (1.8%), भारती एयरटेल (1.8%), आईसीआईसीआई बैंक (1.6%) और कोटक बैंक (1.5%) रहे। रिलायंस के अलावा लाभ में रहने वाले शेयरों में टाटा मोटर्स (1.8%), एशियन पेंट्स (1.2%) और नेस्ले (0.8%) शामिल हैं।

आईटी से लेकर टेलीकॉम तक-एंजेल वन ने तकनीकी संकेतकों पर सात क्षेत्रीय शेयरों बनाई

सेंसेक्स और निफ्टी 50 में गिरावट के साथ चार दिन की बढ़त का सिलसिला खत्म हुआ। सत्र के दौरान बेंचमार्क नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए, लेकिन मिश्रित वैश्विक संकेतों के बीच मुनाफावसूली के चलते इनमें गिरावट आई। निफ्टी 50 ने सत्र के दौरान 24,174 के शिखर को छुआ, लेकिन 34 अंक या 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,010.60 पर बंद हुआ। इसके घटकों में से 26 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 24 नकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए। इसी तरह, 30 शेयरों वाले इस पैक ने 79,671.58 का नया उच्च स्तर हासिल किया, इससे पहले 210 अंक या 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 79,032.73 पर बंद हुआ। इसके घटकों में से 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बैंकिंग शेयरों में मुनाफावसूली के कारण प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों में गिरावट आई, जो शुरुआती आशावाद में नए इंट्रा-डे उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। जबकि बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला और देर से हुई बिकवाली के कारण बाजार कमजोर रहा, फिर भी सेंसेक्स और निफ्टी दोनों क्रमशः 79 हजार और 24 हजार के अपने मनोवैज्ञानिक स्तर से ऊपर बंद होने में सफल रहे। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, चालू महीने में अब तक एफआईआई की नई खरीदारी और जेपी मॉर्गन ईएम बॉन्ड इंडेक्स में भारतीय सरकारी बॉन्ड शामिल किए जाने से इस सप्ताह बड़ी तेजी आई है, लेकिन बाजार एक बार फिर अस्थिर हो सकता है क्योंकि उच्च मूल्यांकन और ब्याज दर रुख में कोई बदलाव नहीं होने से निवेशक नियमित अंतराल पर मुनाफावसूली कर सकते हैं।

विनिर्माण सेवा क्षेत्रों में तेजी के बीच जून में कारोबारी गतिविधियां मजबूत हुई

नई दिल्ली — एचएसबीसी द्वारा शुक्रवार को किए गए एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में लाभ के कारण जून में व्यावसायिक गतिविधि और मजबूत हुई है। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि रोजगार सृजन की गति 18 वर्षों में सबसे अधिक रही है। सर्वेक्षण के अनुसार, हेडलाइन फ्लैश कम्पोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स का आंकड़ा जून में बढ़कर 60.9 हो गया, जबकि मई में संशोधित आंकड़ा 60.5 था। सर्वेक्षण में कहा गया है, निर्माताओं ने पहली वित्तीय तिमाही के अंत में क्षेत्र के समग्र स्वास्थ्य में तेजी से सुधार देखा, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई - नए ऑर्डर, आउटपुट, रोजगार, आपूर्तिकर्ता और खरीद के स्टॉक के उपायों से गणना की गई फैक्ट्री व्यवसाय की स्थिति का एक एकल आंकड़ा स्नैपशॉट - मई में 57.5 से बढ़कर जून में 58.5 हो गया। इसके सभी पांच उप-घटकों का मजबूत योगदान था। पीएमआई

सूचकांक भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में महीने-दर-महीने परिवर्तन को मापता है, और लगातार 35वें महीने वृद्धि के दायरे में रहा। जैसा कि फरवरी से ही होता आ रहा है, सेवा प्रदाताओं की तुलना में माल उत्पादकों में वृद्धि अधिक मजबूत रही। निर्यात के मोर्चे पर, जून में लगातार 22वें महीने नए निर्यात ऑर्डर बढ़े और मजबूत बने रहे। हालांकि पिछले महीने रिकॉर्ड वृद्धि के बाद गति थोड़ी धीमी हो गई।मजबूत मांग ने कंपनियों को अधिक लोगों को काम पर रखने के लिए प्रेरित किया, जिससे अप्रैल 2006 के बाद से सबसे तेज गति से समग्र रोजगार सृजन बढ़ा। सेवा क्षेत्र की तुलना में निर्माताओं के बीच रोजगार सृजन अधिक रहा।

इंडस्ट्री ने शोबिज की वास्तविक चुनौतियों से कराया परिचित: आशा नेगी

हाल ही में रिलीज हुए शो इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं एक?ट्रेस आशा नेगी ने कहा कि यह सीरीज लोगों को शोबिज की वास्तविक चुनौतियों से परिचित कराती है। हिंदी फिल्म उद्योग के अंदरूनी लोगों की झलक दिखाने वाली इस सीरीज के बारे में बात करते हुए आशा ने कहा, शो इंडस्ट्री को बहुत अच्छी समीक्षाएं मिल रही हैं और खास तौर पर इंडस्ट्री के लोगों से इसे काफी सराहना मिल रही है, क्योंकि यह हर किसी से मेल खाती है।

अपने किरदार को लेकर आशा ने कहा कि लोग उनके महत्वाकांक्षी किरदार सान्या सेन से जुड़ रहे हैं। अब तक फीडबैक बहुत बढ़िया रहा है। बहुत से लोग, खास तौर पर इंडस्ट्री के लोग मेरे किरदार से जुड़ रहे हैं। टीवी शो पवित्र रिश्ता से चर्चा में आईं एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि इंडस्ट्री पर्दे के पीछे के संघर्षों को उजागर करती है। उन्होंने कहा, उद्योग से बाहर के लोगों को यह शो दिखाता है कि बाहर से ग्लैमरस दिखने वाली इस इंडस्ट्री के पीछे कड़ी मेहनत और संघर्ष होता है। इस ग्लैमर में बहुत धैर्य, कड़ी मेहनत और लगातार संघर्ष छिपा है। बारिश, लूडो, अभय और कॉलर बम जैसी हिट ओटीटी परियोजनाओं में काम करने वाली आशा ने कहा, उद्योग से बाहर के लोग असली चुनौतियों को जान रहे हैं, जबकि उद्योग में लोग हर संवाद, एपिसोड और चरित्र से जुड़ सकते हैं।

चिकित्सा मुद्रास्फीति और आपके स्वास्थ्य बीमा कवरेज

नई दिल्ली — बढ़ती चिकित्सा मुद्रास्फीति के कारण पॉलिसीधारकों, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों और पहले से मौजूद चिकित्सा स्थितियों वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि हो सकती है। वित्तीय नियोजन ऐप, गोलटेलर के वर्टिकल हेड आदिल हारून कहते हैं जैसे-जैसे चिकित्सा उपचार और स्वास्थ्य सेवाओं की लागत बढ़ती है, बीमा कंपनियों पर बोझ भी बढ़ता है। इस प्रकार, बीमा कंपनियों को अधिक मुआवजा देने की आवश्यकता होती है और अंततः, वे इस लागत को उच्च प्रीमियम के रूप में ग्राहकों पर डाल देती हैं। यह प्रभाव वरिष्ठ नागरिकों और पहले से मौजूद चिकित्सा स्थितियों वाले लोगों के लिए अधिक गंभीर हो सकता है। हालाँकि, यदि आप स्वास्थ्य बीमा की बात करते समय कुछ बातों पर विचार करते हैं, तो बढ़ती कीमतों से निपटना काफी संभव है। कवरेज को समझना, अपनी चिकित्सा बीमा आवश्यकताओं का विश्लेषण करने के बाद खरीदना, स्वस्थ जीवन जीना और उचित कटौती और सह-भुगतान चुनना आपको अपनी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है, हारून कहते हैं। हाल ही में इंश्योरटेक कंपनी प्लम की रिपोर्ट कॉरपोरेट इंडिया की स्वास्थ्य रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत में चिकित्सा मुद्रास्फीति 2021 में 14 प्रतिशत की खतरनाक दर से बढ़ी, जो चीन से भी अधिक थी। एक शब्द के रूप में चिकित्सा मुद्रास्फीति स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित खर्चों में वृद्धि को दर्शाती है।

एसएमई आईपीओ जारी होने के अंतिम दिन, 53 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ

नई दिल्ली। स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, लघु एवं मध्यम आकार के उद्यम (एसएमई) डिएनस्टेन टेक लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के तीसरे और अंतिम दिन के अंत तक 53 गुना से अधिक अभिदान मिला। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा प्रदाता का एसएमई आईपीओ बुधवार, 26 जून, 2024 को अभिदान के लिए खुला और आज, 28 जून, 2024 को बंद हुआ। डिएनस्टेन टेक आईपीओ में कुल 2,208,000 शेयर पेश किए गए हैं। नोएडा स्थित इस कंपनी ने खुदरा निवेशकों के लिए कुल 734,400 इक्विटी शेयर या 33.26 प्रतिशत, गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) के लिए 315,600 शेयर या 14.29 प्रतिशत और योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए 420,000 शेयर या 19.02 प्रतिशत आरक्षित किए थे। 627,600 इक्विटी शेयर या 28.42 प्रतिशत शेयर भी एंकर निवेशकों के लिए अलग रखे गए हैं।

वोडाफोन-आइडिया ने बढ़ा दिए रिचार्ज प्लान्स के रेट

नई दिल्ली। यूजर्स को फोन रिचार्ज करने के लिए अगले महीने से ज्यादा पैसे खर्च करने होंगे। जियो और एयरटेल के बाद अब वोडाफोन-आइडिया ने भी यूजर्स को बड़ा झटका दिया है। कंपनी ने जियो और एयरटेल की तरह ही अपने प्लान्स को 600 रुपये तक महंगा कर दिया है। प्रीपेड प्लान्स के साथ वोडाफोन - आइडिया ने अपने पोस्टपेड प्लान्स के मंथली रेंटल को भी बढ़ा दिया है।

टर्म बीमा योजनाओं में एक उपयोगी सुविधा

नई दिल्ली — परिवार के मुख्य कमाने वाले की अचानक मृत्यु से प्रियजनों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है - यही कारण है कि टर्म इंश्योरेंस एक आवश्यक वित्तीय सुरक्षा उपकरण है। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के टर्म इंश्योरेंस हेड ऋषभ गर्ग कहते हैं, टर्म इंश्योरेंस की एक महत्वपूर्ण विशेषता दावा सूचना लाभ है, जो मृतक के परिवार को तुरंत दावा दायर करने और लगभग 1-3 लाख रुपये की तत्काल राशि प्राप्त करने की अनुमति देता है। यह लाभ अंतिम संस्कार के खर्चों या किसी भी तत्काल ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करता है, जिससे मुश्किल समय में अतिरिक्त वित्तीय बोझ कम होता है। दावा सूचना कैसे काम करती है दावा सूचना दावा प्रक्रिया का पहला चरण है जहां

नामांकित व्यक्ति या लाभार्थी बीमा कंपनी को पॉलिसीधारक की मृत्यु के बारे में सूचित करता है। यह विभिन्न माध्यमों से किया जा सकता है जैसे कि बीमाकर्ता की शाखा में जाना, कंपनी की वेबसाइट पर ऑनलाइन सूचना देना या फोन या ईमेल के ज़रिए उनसे संपर्क करना। इसका उद्देश्य संभावित दावे के बारे में बीमाकर्ता को सचेत करना है, इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के निदेशक और बजाज कैपिटल इंश्योरेंस ब्रोकर्स के सीईओ वेंकटेश नायडू कहते हैं। दावा आमतौर पर उस घटना के तुरंत बाद शुरू किया जा सकता है जिसके कारण दावा किया जाता है, जैसे कि पॉलिसीधारक की मृत्यु। नामांकित व्यक्ति को बीमा कंपनी द्वारा प्रदान की गई विधियों में से किसी एक का उपयोग करके जल्द से जल्द बीमाकर्ता को सूचित करना चाहिए। सूचना के बाद, उन्हें सत्यापन के लिए भरा हुआ दावा फ़ॉर्म, मृत्यु प्रमाण पत्र और पॉलिसी दस्तावेज़ जैसे आवश्यक दस्तावेज़ जमा करने होंगे। बीमाकर्ता को ज़रूरत पड़ने पर अतिरिक्त जाँच के लिए 60-90 दिन लग सकते हैं और उसके बाद 30 दिनों के भीतर दावे का निपटान करना चाहिए वेंकटेश नायडू - भारतीय बीमा दलाल संघ के निदेशक और बजाज कैपिटल इंश्योरेंस ब्रोकर्स के सीईओ कहते हैं।दावा सूचना लाभ इसलिए एक बार जब आप बीमा कंपनी को दावे के बारे में सूचित करते हैं।

मालविका की तस्वीरों ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, अभिनेत्री के खूबसूरत चेहरे से निगाहें हटाना हुआ मुश्किल

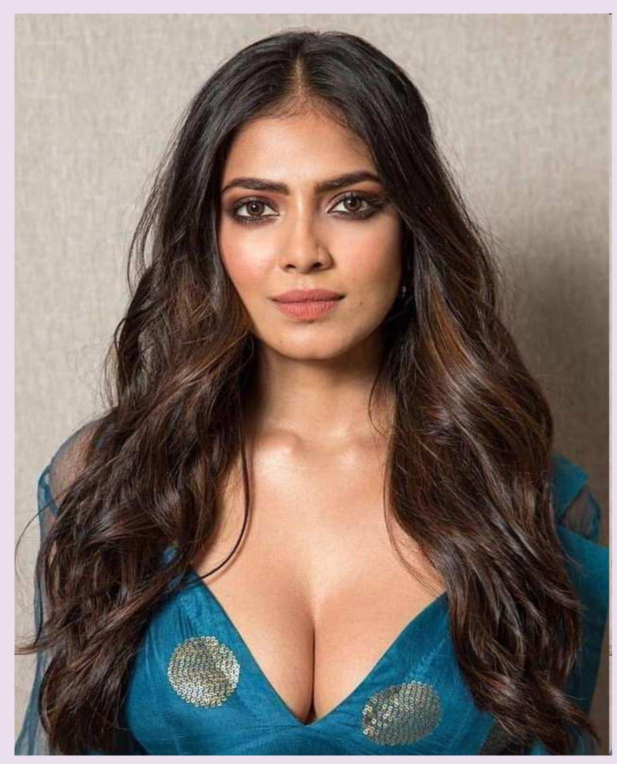

साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं में रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस उनसे कापी ज्यादा इंप्रेस हो गए हैं।

एक्ट्रेस मालविका मोहनन हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका फैशन स्टेटमेंट अक्सर फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

मालविका मोहनन ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत व्हाइट कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मालविका मोहनन कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना अंदाज में पोज देते हुए सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक लोगों के बीच वायरल होने लगता है। चाहें इंडियन हो या वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर अंदाज में कहर ढाती हैं। खुले बाल, न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को बेहद खूबसूरती के साथ निखारा है।

मालविका मोहनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस रजनीकांत की फिल्म पेट्टा, मास्टर, पट्टम रोल, मारन जैसी कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

जिन लोगों की कुल आय 50 लाख रुपये से अधिक है

आईटीआर में अनुसूची भरते समय याद रखने योग्य बातें

नई दिल्ली — टैक्सस्पैनर के सीईओ सुधीर कौशिक ने कहा, जिन लोगों की कुल आय 50 लाख रुपये से अधिक है, वे अपनी संपत्ति और देनदारियों को अनुसूची रुमें घोषित करें, और विदेशी संपत्ति को अनुसूची FA में घोषित करें। पिछले वर्ष के अंत में भारत में रखी गई सभी संपत्तियों का खुलासा अनुसूची AL में करें। अचल, चल और वित्तीय संपत्तियाँ, जैसे वाहन, आभूषण, शेयर, प्रतिभूतियाँ और बीमा पॉलिसियाँ, संपत्ति के पते, संयुक्त स्वामित्व वाले शेयर और अधिग्रहण लागत के साथ शामिल करें। अनुसूची AL - आयकर रिटर्न फॉर्म का एक भाग करदाता की संपत्ति और देनदारियों के बारे में जानकारी एकत्र करता है। करदाताओं को अपनी विभिन्न संपत्तियों और देनदारियों को अनुसूची AL में सूचीबद्ध करना चाहिए। संपत्तियों में अचल संपत्तियाँ जैसे संपत्ति, चल संपत्तियाँ जैसे ऑटोमोबाइल, गहने, कलाकृतियाँ और अन्य संपत्तियाँ जैसे स्टॉक, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड और सावधि जमा शामिल हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट रीतू भंडारी कहती हैं, देनदारियों में आपके ऋण, बकाया कर, बंधक आदि शामिल हैं। शेयर और प्रतिभूति अनुभाग के अंतर्गत निम्नलिखित मदों को शामिल करना न भूलें जैसे कि प्रोविडेंट फंड (पीएफ), नेशनल पेंशन

स्कीम (एनपीएस), क्रिप्टोकरेंसी, स्टॉक, म्यूचुअल फंड, एनपीएस, ईपीएफ, सरकारी प्रतिभूतियां, रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (आरईआईटी) आदि। अपनी संपत्तियों और देनदारियों की सटीक रिपोर्टिंग में सहायता के लिए सभी प्रासंगिक दस्तावेज़ों, जैसे कि संपत्ति के कार्य, निवेश विवरण और ऋण विवरण को व्यवस्थित और सुलभ रखें। भंडारी ने कहा, इसके अलावा सुनिश्चित करें कि आप सही आईटीआर फॉर्म का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें आपके आय स्रोतों और करदाता प्रकार के आधार पर अनुसूची एएल शामिल है। भंडारी कहती हैं, यदि आपको अनुसूची एएल जटिल लगता है या आपके पास बड़ी संख्या में संपत्ति और देनदारियां हैं, तो प्रमाणित कर व्यवसायी की सेवा लें। अपनी संपत्तियों की रिपोर्टिंग करते समय, आपको म्यूचुअल फंड और स्टॉक जैसी चीजों के लिए उनके वर्तमान बाजार मूल्य के बजाय मूल खरीद लागत का उपयोग करना चाहिए। यदि आप उसी वर्ष के भीतर कोई निवेश बेचते हैं, जिस वर्ष आपने इसे खरीदा था, तो आपको अधिग्रहण लागत की रिपोर्ट करने की आवश्यकता नहीं है। आपको विरासत में मिली या उपहार के रूप में मिली संपत्तियों के लिए, पिछले मालिक द्वारा मूल खरीद लागत की रिपोर्ट करें। यदि यह मूल्य अज्ञात है, तो अधिग्रहण तिथि पर सर्किल रेट का उपयोग करें। बैलेंस शीट पर सूचीबद्ध व्यावसायिक संपत्तियों की रिपोर्ट करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन घर जैसी व्यक्तिगत संपत्तियों की रिपोर्ट करने की आवश्यकता है। केवल संपत्ति खरीदने के लिए लिए गए ऋण शामिल करें; खरीद के लिए उपयोग नहीं किए गए व्यक्तिगत ऋण और क्रेडिट कार्ड ऋण का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है।

संपादकीय

फिर भी ऐसे देश दूसरों को लोकतंत्र, शांति और मानवाधिकार का पाठ पढ़ाने की चेष्टा करते हैं. कनाडा के ऐसे रवैये से क्षुब्ध होकर भारत ने कहा है कि वहां हो रहा आतंकवाद का निरंतर महिमामंडन निंदनीय है. साल 1985 में एयर इंडिया के कनिष्क विमान को बम विस्फोट से तबाह करने की घटना के 39 वर्ष होने के अवसर पर कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने यह भी कहा है कि कनाडा में आतंक की प्रशंसा करने वाले आयोजनों को अनुमति देना दुर्भाग्यपूर्ण है.

आतंक का विरोध जरूरी

भारत ने कनाडा से कहा है कि जो लोग भारत के खिलाफ अभियान चला रहे हैं और हिंसा की वकालत कर रहे हैं, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए. आतंकवाद विश्व के समक्ष एक बड़ी चुनौती है.

इससे निपटने के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है. लेकिन अनेक देश आतंकी संगठनों और सरगनाओं को शरण देते हैं, तो कुछ ऐसे देश भी हैं, जो अपनी विदेश एवं रक्षा नीति के एक तत्व के रूप में आतंक का इस्तेमाल करते हैं. फिर भी ऐसे देश दूसरों को लोकतंत्र, शांति और मानवाधिकार का पाठ पढ़ाने की चेष्टा करते हैं. कनाडा के ऐसे रवैये से क्षुब्ध होकर भारत ने कहा है कि वहां हो रहा आतंकवाद का निरंतर महिमामंडन निंदनीय है. साल 1985 में एयर इंडिया के कनिष्क विमान को बम विस्फोट से तबाह करने की घटना के 39 वर्ष होने के अवसर पर कनाडा में भारतीय उच्चायोग ने यह भी कहा है कि कनाडा में आतंक की प्रशंसा करने वाले आयोजनों को अनुमति देना दुर्भाग्यपूर्ण है. शांति के पैरोकार सभी देशों और लोगों को ऐसे कृत्यों की भर्त्सना करनी चाहिए. कनिष्क बम कांड कनाडा में बसे खालिस्तानी आतंकियों की करतूत थी, जिसमें विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गये थे. मृतकों में 86 बच्चे भी थे. आज भी कनाडा, अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी देशों में पनाह लिये आतंकी एवं अलगाववादी ऐसे हमलों की सराहना करते हैं तथा भारत विरोधी कार्यक्रम करते रहते हैं. इतना ही नहीं, चार दशक बाद भी इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को कनाडा सजा नहीं दे सका है. शांति एवं लोकतंत्र का समर्थक कहने वाले देश कनाडा की संसद में कुछ दिन पहले खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर को श्रद्धांजलि दी गयी, जिसकी हत्या पिछले साल जून में हुई थी. इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भारत ने कनाडा से कहा है कि जो लोग भारत के खिलाफ अभियान चला रहे हैं और हिंसा की वकालत कर रहे हैं,

उन पर कार्रवाई होनी चाहिए. आज विश्व में भारतीय मूल के लोग सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय हैं. जिस भी देश में वे हैं, वहां के विकास में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं. इस कारण हर जगह उनका बड़ा सम्मान भी है. लेकिन उन देशों में कुछ भारत-विरोधी तत्व समुदाय की एकता और भाईचारे को तोड़ने में लगे हैं. ऐसे गिरोह अमेरिका और कनाडा से लेकर ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया समेत अनेक देशों में सक्रिय हैं. इन देशों की सरकारें भारत के लगातार अनुरोध के बाद भी रोक नहीं रही हैं. भारत को धमकी देने की प्रवृत्ति और भारतीयों पर हमलों की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं. भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि राजनीतिक लाभ के हिसाब से आतंक, अतिवाद और हिंसा को नहीं देखा जाना चाहिए तथा दूसरे देशों की एकता एवं अखंडता का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए.

अलग करवट ले रही है दक्षिण भारत की राजनीति

लेख **-आर राजागोपालन**

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके सरकार के विरुद्ध लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है. पिछले दिनों जहरीली शराब पीने से वहां 55 लोगों की मौत हुई और कई लोग गंभीर रूप से बीमार पड़े. जयललिता की मृत्यु के बाद उनकी अन्ना द्रमुक पार्टी में बिखराव आ गया. अब इन समूहों को एमके स्टालिन सरकार के खराब शासन के कारण नया जीवन मिल रहा है. दक्षिण भारत से निर्वाचित 130 सांसदों को ऐसा लगता है कि मोदी सरकार उत्तर भारत के लोगों के लिए है. इस नैरेटिव का प्रभावी प्रचार राहुल गांधी और उनके तंत्र द्वारा किया जा रहा है. यह रवैया लोकतंत्र के लिए खतरनाक है.इस माहौल में और बढ़ोतरी करते हुए तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित जस्टिस के चंद्रू की अध्यक्षता वाली एक उच्चस्तरीय समिति ने माध्यमिक शिक्षा में बदलाव के लिए गंभीर सिफारिशें की है. युवा मानस में मोदी की अगुवाई वाली हिंदुत्व विचारधारा की पैठ को बढ़ने से रोकने के लिए द्रविड़ विचारधारा को प्रभावी बनाने की पुरजोर कोशिश की जा रही है.

आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) केंद्र में एनडीए सरकार में सहयोगी की भूमिका में है. उसे राज्य के लिए केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता मिल सकती है.

लोकसभा चुनाव के परिणामों से यह स्पष्ट रूप से इंगित होता है कि दक्षिण भारत की राजनीति एक अलग करवट ले रही है. ऐसे में सवाल उठता है कि दक्षिण में अपना प्रभाव बढ़ाने की अपनी कोशिश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार क्या और आक्रामक बनायेगी. आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) केंद्र में एनडीए सरकार में सहयोगी की भूमिका में है. उसे राज्य के लिए केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता मिल सकती है.

ऐसे में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएम), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस केरल और तमिलनाडु के लिए विशेष वित्तीय दर्जा देने की मांग करेंगे. ऐसी वित्तीय नीति उत्तर भारत के राज्यों, विशेष रूप से बिहार, के लिए भारी नुकसान का कारण बन सकती है. तमिलनाडु में सत्तारूढ़ डीएमके सरकार के विरुद्ध लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है. पिछले दिनों जहरीली शराब पीने से वहां 55 लोगों की मौत हुई और कई लोग गंभीर रूप से बीमार पड़े. जयललिता की मृत्यु के बाद उनकी अन्ना द्रमुक पार्टी में बिखराव आ गया. अब इन समूहों को एमके स्टालिन सरकार के खराब शासन के कारण नया जीवन मिल रहा है. दक्षिण भारत से निर्वाचित 130 सांसदों को ऐसा लगता है कि मोदी सरकार उत्तर भारत के लोगों के लिए है. इस नैरेटिव का प्रभावी प्रचार राहुल गांधी और उनके तंत्र द्वारा किया जा रहा है. यह रवैया लोकतंत्र के लिए खतरनाक है.

इस माहौल में और बढ़ोतरी करते हुए तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित जस्टिस के चंद्रू की अध्यक्षता वाली एक उच्चस्तरीय समिति ने माध्यमिक शिक्षा में बदलाव के लिए गंभीर सिफारिशें की है. युवा मानस में मोदी की अगुवाई वाली हिंदुत्व विचारधारा की पैठ को बढ़ने से रोकने के लिए द्रविड़ विचारधारा को प्रभावी बनाने की पुरजोर कोशिश की जा रही है. तमिलनाडु आज के समय में सामाजिक विभाजन की कगार पर खड़ा है. जस्टिस चंद्रू समिति ने हाथ में धागा बांधने पर रोक लगाने का सुझाव दिया है ताकि स्कूलों में जाति की पहचान को मिटाया जा सके. यह भी कहा गया है कि माथे पर कुमकुम चंदन लगा सकते हैं, लेकिन तिलक न लगाया जाए. समिति की एक सिफारिश यह भी है कि छात्रों के बाल लंबे होने चाहिए, जिन्हें जुड़े की तरह बांधा जाए.

जस्टिस चंद्रू समिति की रिपोर्ट में ऐसी कई सिफारिशें की गयी हैं. इसी बीच सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि समाज को बदलाव की जरूरत है. उदाहरण के लिए, इस रिपोर्ट में एक सुझाव यह दिया गया है कि विद्यालयों के नाम से जातिसूचक शब्दों को हटा देना चाहिए तथा उन्हें केवल सरकारी स्कूल कहा जाना चाहिए. लेकिन यह समझना आवश्यक है कि केवल नाम बदल देने से वास्तविक बदलाव नहीं आता है. साल 2021 के चुनाव में द्रमुक ने जो चुनावी वादे किये थे, उन्हें सरकारी स्तर पर सफलतापूर्वक लागू किये जाने के कोई संकेत दिखाई नहीं देते.

कर्नाटक एवं तेलंगाना में शासन कर रही कांग्रेस पार्टी को भाजपा ने बुरी तरह पराजित किया है. आंध्र प्रदेश के विधानसभा चुनाव में टीडीपी ने 95 प्रतिशत सीटों पर जीत हासिल की है. भाजपा राज्य में टीडीपी और जन कल्याण सेना के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ी थी. तमिलनाडु में भाजपा अपना वोट शेयर बढ़ाने में सफल रही, लेकिन उसे एक भी लोकसभा सीट नहीं मिल सकी. आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन रेड्डी को लगता है कि टीडीपी राज्यभर में उनकी पार्टी वाइएसआर कांग्रेस के दफ्तरों तथा उनके निजी आवासों को ढाह कर राजनीतिक बदला ले रही है. बहरहाल, दक्षिण में प्रभाव बढ़ाने की नीति का फायदा भाजपा को मिला है. केरल में पहली बार पार्टी को लोकसभा में एक सीट मिली है. इस बार राज्य के लाल दुर्ग में भगवा राजनीति ने सेंधमारी की है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ केरल के पालाकड़ में 2024 के लोकसभा चुनाव में हिंदुत्व को लगे झटके की समीक्षा करने की बैठक कहीं इसी कारण से तो नहीं कर रहा है?

अगर हम ठीक से विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, राजनाथ सिंह जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता दक्षिण भारत में लोकप्रिय चेहरे हैं. इसी तरह राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव भी वहां जाने-पहचाने नेता हैं. यही वजह है कि प्रियंका गांधी ने केरल के वायनाड से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है. इसमें कोई दो राय नहीं है कि वे आसानी से जीतेंगी. कर्नाटक सरकार ने राज्य के लिए अलग से झंडे और गान की खुली घोषणा की है. दक्षिण भारत में जो हो रहा है, वह गंभीर अध्ययन का विषय है. अगर वर्तमान माहौल में सुधार का प्रयास नहीं किया गया, तो वहां अलगाववादी मानसिकता में बढ़ोतरी होगी. लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान दक्षिण भारतीय नेताओं के भाषणों के विश्लेषण से यह अहसास होता है कि कुछ विदेशी शक्तियां एक अलग दक्षिणी आवाज के पीछे सक्रिय हैं. राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को उभरते रुझानों पर नजर रखनी चाहिए और उनका समुचित अध्ययन करना चाहिए. अन्यथा राष्ट्र विरोधी शक्तियों को बढ़ावा मिलेगा. यह राष्ट्रवाद के लिए चेतावनी है. छह दक्षिणी राज्यों की कहानी का यह सार है. क्या मोदी सरकार इस संबंध में कुछ करेगी? यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की परीक्षा है।

जन-मंच

राजनीतिक दुराग्रह से मुक्ति कब?

उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, गुजरात का नाम आते ही बच्चों की मौत पर राजनीति का निर्मम चेहरा सामने आता है. अलग बात है कि जो जन्म लेगा, उसकी एक दिन मृत्यु निश्चित होगी, जैसा विधि का विधान है. तो क्या हमें आयुर्विज्ञान के खोजों और नवजातों पर दुनिया भर की चिंताओं से मुंह मोड़ लेना चाहिए? बच्चे मर रहें हैं और हम लाशों पर राजनीति में व्यस्त हैं, यह अच्छी बात नहीं है. आंकड़ों की प्रतिस्पर्धा से न तो बच्चों की मौत रोकी जा सकती है, न ही उनकी मां का दर्द कम किया जा सकता है. ऐसा नहीं है कि नवजातों की मौत हमें नहीं झकझोरती. देश के कई राज्य में जहां शिशु मृत्यु दर संख्या दस प्रति हजार के आस-पास है, ऐसे आंकड़े नि हमारी संवेदनशीलता भी दिखाते हैं. लेकिन, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं और कुपोषण के प्रति हमारी राष्टनीति के कृष्ण-पक्ष भी उजागर होते रहते हैं. असमय मरनेवाले बच्चों को लेकर राष्टनीति बनाने का समय आ गया है. बच्चों के मामले में राजनीतिक दुराग्रह से मुक्ति मिले.

-एमके मिश्रा,रायपुर

सरकार के साथ मजबूत विपक्ष भी समझे जिम्मेवारी

एक बार फिर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के पद पर विराजमान हो गए और यह इनका लगातार तीसरा कार्यकाल आरंभ हो रहा है। इसलिए यह नई सरकार नहीं, बल्कि पुरानी ही सरकार है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीसरी पारी में देश के हर वर्ग के अच्छे दिन लाने के प्रयास करेंगे, ऐसा कोई फैसला नहीं लेंगे जिससे किसी भी वर्ग को कोई नुकसान हो। लोकतंत्र में जनता जनार्दन सर्वोपरि होती है। सभी राजनीतिक दलों को जनता के फैसले का सम्मान करना चाहिए। इस बार के लोकसभा चुनाव में जिन राजनीतिक दलों को जीत हासिल हुई है, उन्हें बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के आमजन के लिए गंभीरता से काम करना चाहिए। विपक्ष मजबूत हुआ है और उसे भी अपनी जिम्मेवारी समझनी होगी।

-निर्मल शर्मा,भिलाई

अनमोल है जल

विश्व के सभी विकसित देशों में स्वच्छ एवं सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने और जल संरक्षण के महत्त्व पर भी ध्यान केंद्रित करते हुए, साल 1992 में रियो डी जेनेरियो में पर्यावरण तथा विकास के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विश्व जल दिवस मनाने की पहल की गई थी। साल 1993 में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी सामान्य सभा के द्वारा निर्णय लेकर इस दिन को वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। भारत में जहां एक तरफ गर्मियों में सूखा पड़ता है, तो वहीं बरसात के दिनों में भारत के कुछ राज्य बाढ़ की चपेट में भी आ जाते हैं। अगर सरकारें और प्रशासन बरसाती पानी को संभालने के लिए कुछ उपाय करें तो गिरते भू-जल स्तर को कुछ हद तक रोका जा सकता है।

-मो जमील,बिलासपुर

सुरक्षित रहे ओजोन

प्रकृति व मानव एक-दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इस लिहाज से मनाए जाने वाले ओजान दिवस का हमारे लिए खास महत्व है। इस वर्ष का थीम है- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल- हमें, हमारे भोजन और टीकों को ठंडा रखना। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल वाकई काफी अहम है। मसलन, जलवायु परिवर्तन को धीमा करना, शीतलन क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने में मदद करना आदि की वकालत इसमें की गई है। इस प्रोटोकॉल को संयुक्त राष्ट्र के तमाम सदस्य देशों ने सार्वभौमिक रूप से अनुमोदित किया है। अपने यहां दो साल पहले ही इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान (आईसीएपी) बनाया गया है, जो विश्व ओजोन दिवस, 2021 की थीम के अनुरूप है। हमें इस तरह की योजनाओं को और गति देनी होगी। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि ओजोन परत को अगर और नुकसान पहुंचा, तो मानव जीवन पर बड़ा खतरा पैदा हो सकता है।

-देवेश कुमारए,अंबिकापुर

हालात का आईना

छब्बीस जून के 'दैनिक ट्रिब्यून' में श्री गुरबचन जगत का लेख गंभीर विषय को लेकर सारगर्भित था। लेख में पंजाब के आतंकवाद के कालखंड के जिन मुद्दों और आतंकवाद की विभीषिकाओं को गंभीरता से उठाया है, उन विभीषिकाओं को पंजाब के सभी लोगों ने झेला है। लेखक ने अपना प्रशासनिक कर्तव्य निष्ठा से निभाते हुए एक दशक तक चली हिंसा की सुनामी को अपनी आंखों से आगाज़ से अंत तक घटित होते देखा है। उन्होंने कहा कि आज की तारीख में राजनीतिक दलों का एक ही ध्येय है- संसद, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत के चुनाव लड़ना और जीतना । उनकी एकमात्र इच्छा सभी स्तरों पर ताकत हासिल करना है बगैर किसी जवाबदेही के।

-हर्षित बघेल, भिलाई

चिंतन कण

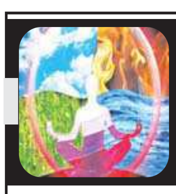

सत्य

सत्य वाणी श्रेष्ठ संस्कार, देवत्व और मानवीय-मूल्य हैं। सत्य सफलता पाने का श्रेष्ठ उपाय है। झूठ बोलना लोगों को गुमराह करना है। यह एक नकारात्मक प्रवृत्ति है। बुराई को अच्छाई बताने के लिए झूठ लाया जाता है। सच्चाई छिपाने के लिए झूठ आता है। सत्य परोपकारी है तो झूठ परम स्वार्थी। सत्य मर्यादा-आदर्श की लक्ष्मण रेखा नहीं लांघता, झूठ नैतिकता रहित है। एक झूठ को सत्य बनाने के लिए सौ झूठ तलाशने पड़ते हैं। सत्य से संबंध सशक्त होते हैं, लेकिन झूठ संबंधों को काटने की आरी है। झूठ व्यस्तता का नाटक करके छल-प्रपंच करता है। सत्य समय निकालकर आत्मीयता लुटाता है। झूठ कुसंस्कार और पतन का मार्ग है। एक बार झूठ के जरिये सफलता मिल जाने पर बार-बार झूठ बोलने की आदत पड़ जाती है। अल्पज्ञता झूठ की पोषक है। सत्य छिपाने वाले संकोची और सरल व्यक्ति को मूर्ख बनाते हैं। नाक के ऊपर पानी जाते ही सत्य और असत्य का भेद खुल जाता है। सत्य अतिथि को देवता मानकर दुर्लभ निमंत्रण देता है तो झूठ बहाना बनाकर रुकने का नाम ही नहींलेता। झूठ विश्वासघात कर बैठता है। सत्य किसी की प्रार्थना, विनम्रता, क्षमा याचना और उपकार का मूल्य लगाता है तो झूठ सरलता को विवशता मानने के भ्रम में मनमानी करता है। स्वार्थ में बोला गया झूठ सत्य के आगे खुल जाता है। सत्य में कृतज्ञता बढ़ती है। झूठ कृतघ्नता के कारण पनपता है। सत्य तब तक झूठ का पीछा करता है जब तक यथार्थ चेहरा सामने नहीं आ जाता। महात्मा विदुर ने हमेशा सत्य का पक्ष लिया। झूठ हर प्रकार से सत्य को डिगाने का प्रयास करता है, पर निराश होते ही समर्पण कर बैठता है। सत्य निष्कपट भाव है तो झूठ छल की नींव। सत्य संकल्प से ऊंचाई देता है। झूठ विकल्प पाकर नीचे गिरता जाता है। सत्य मान बढ़ाता है। झूठ बहाने को चरित्र मानकर बाद में प्रायश्चित करता है। झूठ दूसरे के सदाचार को पाप बताता है और अपने अपराध को सदाचार। झूठ लोक निंदा बढ़ाता है तो सत्य घटाता है। सत्य बचाने वाले की अंतिम सांस तक अच्छा रक्षा करने का व्रत लेता है तो असत्य बचाने वाले का अनादर करने से नहीं चूकता। झूठ सदा दूसरे से सुनी बात पर विश्वास करके भ्रम पालता है तो सत्य आग में सोने को तपाने की तरह परखकर विश्वास करता है।

-डॉ. हरि प्रसाद दुबे

पराजय का समीक्षा सत्र

मेरे पिछले दस दिन बहुत खराब बीते। मेरे पड़ोस में रामलीला होती है। रात में दो बजे तक वहां के कानफोड़ शोर से नींद हराम रही। कल कुछ ठीक हुआ, तो शर्माजी की याद आयी। शाम होते ही मैं उनके घर जा पहुंचा। शर्माजी मेरे परममित्र हैं। चार-छह दिन यदि उनसे भेंट न हो, तो मुझे उनके दर्शन करने जाना पड़ता है। वैसे इससे मुझे कई लाभ होते हैं। शाम का टहलना और शर्मा मैडम के हाथ की तुलसी और अदरक वाली कड़क चाय। यदि भाग्य अच्छा हो, तो चाय के साथ मिठाई या पकौड़े भी मिल जाते हैं।

> शर्माजी मेरे परममित्र हैं। चार-छह दिन यदि उनसे भेंट न हो, तो मुझे उनके दर्शन करने जाना पड़ता है। वैसे इससे मुझे कई लाभ होते हैं। शाम का टहलना और शर्मा मैडम के हाथ की तुलसी और अदरक वाली कड़क चाय। यदि भाग्य अच्छा हो, तो चाय के साथ मिठाई या पकौड़े भी मिल जाते हैं। मेरे पिछले दस दिन बहुत खराब बीते। मेरे पड़ोस में रामलीला होती है। रात में दो बजे तक वहां के कानफोड़ शोर से नींद हराम रही। कल कुछ ठीक हुआ, तो शर्माजी की याद आयी।

मेरे पिछले दस दिन बहुत खराब बीते। मेरे पड़ोस में रामलीला होती है। रात में दो बजे तक वहां के कानफोड़ शोर से नींद हराम रही। कल कुछ ठीक हुआ, तो शर्माजी की याद आयी। शाम होते ही मैं उनके घर जा पहुंचा। वे ऐसे उदास बैठे थे, जैसे सबसे छोटी साली की बीमारी की खबर सुनी हो। मैंने शर्मा मैडम को आवाज दी, तो उन्होंने दो कप चाय भेज दी। चाय की सुगंध से शर्माजी में कुछ चेतना आयी।

-कहो वर्मा, कैसे हो ?

-मैं तो ठीक हूं शर्माजी; पर आपने ये कैसा हुलिया बना रखा है। कुछ लेते क्यों नहीं ?

-क्या लूं, कुछ समझ नहीं आता। हमारी पार्टी की हालत बिगड़ती जा रही है। कोई दवा असर ही नहीं कर रही।

-मैं आपकी बात कर रहा हूं, पार्टी की नहीं।

-एक ही बात है वर्मा। पार्टी में जान हो, तो सब समर्थकों पर भी असर होता है।

-पर पिछले दिनों मम्मीश्री ने पार्टी की कमान संभाली थी, उससे कुछ फरक तो पड़ा होगा ?

-खाक फरक पड़ा है। उन्होंने राहुलजी के सब युवा समर्थकों को किनारे कर पार्टी को फिर से बुड्ढा दल बना दिया।

-लेकिन पार्टी में अनुभवी लोग भी तो चाहिए ?

-पर दफ्तर में बैठे अनुभवी लोगों का क्या अचार पड़ेगा, जब वे क्षेत्र में निकलेंगे ही नहीं।

-तो वे निकलते क्यों नहीं ?

-अरे बाबा, उनकी टांगों में दम हो, तब तो निकलें ? कोई 70 का है, तो कोई 80 का। वे तो बस सलाह दे सकते हैं। इसीलिए तो 2019 में पार्टी की दुर्गति हुई। अब हाल ये है कि लोकसभा चुनाव में हार की अब तक समीक्षा नहीं हो सकी।

-उसे तो छह महीने होने वाले हैं।

-बिल्कुल; पर हमारे यहां कोई इसके लिए तैयार नहीं है। सबको पता है कि हार का कारण यह परिवार है; पर उनके खिलाफ बोलने की हमारे यहां परम्परा नहीं है। वे जिंदाबाद तो सुन सकते हैं; पर मुर्दाबाद नहीं। निजी बातचीत में तो सब नेता हार की समीक्षा कर चुके हैं; पर साथ बैठते ही उन्हें सांप सूंघ जाता है।

कटाक्ष

-विजय कुमार

इनकी जुबां

देवेंद्र फडणवीस से मेरी मुलाकात बस केवल एक इत्तेफाक था।

उद्धव ठाकरे
शिवसेना अध्यक्ष

मैं अब भी सिंगल हूं।

अनन्या पांडे
अभिनेत्री

लोकतंत्र सिर्फ एक बार मरा था सन 1975 में जब देश में आपातकाल लगाया गया था।

किरण रिजिजू
कानून मंत्री

सुकीर्ति कांडपाल को शो से बाहर निकालेंगे मेकर्स

अनुज और अनुपमा की जिंदगी में आएगा धांसू ट्विस्ट

टीवी सीरियल अनुपमा में इन दिनों हाई वोल्टेज ड्रामा चल रहा है। सीरियल में टीटू और डिंपी की शादी का माहौल बना हुआ है, लेकिन इसमें भयंकर हंगामा हो रहा है। श्रुति का सारा सच अनुपमा और फिर अनुज के सामने आ गया है। बीते एपिसोड में ही दिखाया गया था कि अनुज जैसे ही श्रुति का सारा सच जानता है वैसे ही भड़क जाता है। वह श्रुति को खूब खरी खोटी सुनाता है और उससे अपने सारे रिश्ते तोड़ लेता है और ये श्रुति के साथ-साथ आध्या के लिए भी बड़ा झटका होता है। अब शो में नया ट्विस्ट आने वाला है, जिससे मेकर्स श्रुति का रोल निभाने वाली सुकीर्ति कांडपाल को शो से बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं। ये सब होगा कैसे? आइए आपको बताते हैं।

सीरियल में अनुज और अनुपमा की जोड़ी होती है और फैंस इन दिनों को हमेशा एक साथ ही देखना चाहते हैं। बीते काफी समय से कहानी में अनुज और अनुपमा अलग अलग है। अनुज ने श्रुति से सगाई भी कर ली थी, लेकिन अब श्रुति ही दोनों को मिलाने का काम करेगी। लेटेस्ट एपिसोड में श्रुति अनुज और अनुपमा को सलाह देगी कि उन दोनों को हमेशा हमेशा के लिए एक हो जाना चाहिए। दोनों को शादी कर लेनी चाहिए। इसी तरह मान की ये कहानी पूरी होगी। अब कहानी में अनुज अनुपमा से प्यार की मांग करेगा। प्रोमो में भी दिखाया गया है कि अनुज अनुपमा के पास जाएगा और साथ रहने की बात करेगा। इस महाट्विस्ट के साथ ही दोनों एक हो सकते हैं।

रेड चिलीज ने वित्त वर्ष 2023 में 85 करोड़ रुपये का मुनाफा घोषित किया

शाहरुख खान की होम बैनर रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्त वर्ष 2022-2023 के लिए 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। मार्च 2024 तक के वित्त वर्ष की आय का खुलासा अभी होना बाकी है। रेड चिलीज फिल्म निर्माण और वितरण के साथ-साथ ओटीटी कंटेंट और वीएफएक्स उत्पादन में भी शामिल है। शाहरुख के पास 50 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि उनकी पत्नी गौरी खान के पास 49.9 फीसदी हिस्सेदारी है। रिपोर्ट के अनुसार, रेड चिलीज की अप्रकाशित फिल्मों और बिना बिके फिल्म अधिकारों की सूची 367 करोड़ रुपये थी। इसमें वेब सीरीज और निर्माणाधीन फिल्मों के लिए 357 करोड़ रुपये और मूवी अधिकारों के लिए 9.6 करोड़ रुपये शामिल हैं। ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि शाहरुख के नेतृत्व वाली कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में अपने राजस्व में 2.3 गुना वृद्धि देखी। इसका मतलब है कि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा दिखाए गए रेड चिलीज़ की नवीनतम विनियामक फाइलिंग के अनुसार, यह 130 करोड़ रुपये से बढ़कर 300 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 22 में कंपनी को 22 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट की स्थापना बंद हो चुकी ड्रीमज़ अनलिमिटेड से हुई थी, जो पहले शाहरुख खान, जूही चावला और अजीज मिर्जा के स्वामित्व में थी। 2002 में खान और पत्नी गौरी द्वारा स्थापित, रेड चिलीज़ ने एक फिल्म निर्माण, वितरण और दृश्य प्रभाव कंपनी के रूप में शुरुआत की। इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (2008) में भी इसकी 55 प्रतिशत हिस्सेदारी है।2004 में अपने पहले प्रोडक्शन मैं हूँ ना से शुरुआत करते हुए, रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट ने पिछले कुछ वर्षों में ओम शांति ओम, माई नेम इज़ खान, स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर, चेन्नई एक्सप्रेस, हैप्पी न्यू ईयर, डियर ज़िंदगी, रईस, बदला, जवान, डंकी जैसी दर्जनों फ़िल्मों का समर्थन किया है।

कैटरीना की प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर विक्की ने तोड़ी चुप्पी

विक्की कौशल, बैड न्यूज़ के कलाकारों और क्रू सदस्यों के साथ आज मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुए। प्री-रिलीज़ इवेंट में अभिनेता के साथ त्रिप्ति डिमरी, एमी विर्क और बैड न्यूज़ टीम के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। मीडिया से बात करते हुए, अभिनेता ने कैटरीना कैफ़ के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद करने की चल रही अफवाहों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।विक्की कौशल, एमी विर्क और त्रिप्ति डिमरी अभिनीत आगामी फिल्म, 'एक अरब में एक' की स्थिति की वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित है, जिसमें एक महिला के एक ही मासिक धर्म चक्र में दो अलग-अलग पुरुषों के शुक्राणु कोशिकाओं द्वारा दो अलग-अलग अंडों को निषेचित किया जाता है। फिल्म में, एक कॉमेडी ऑफ़ एरर तब होता है जब विक्की कौशल और एमी विर्क दोनों त्रिप्ति के अजन्मे बच्चे के पिता बन जाते हैं। चूंकि फिल्म गर्भावस्था पर आधारित है, इसलिए फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में, विक्की कौशल से पूछा गया कि क्या वह कैटरीना कैफ़ के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा, 卐अभी के लिए आप बैड न्यूज़ का मज़ा ले लो, जो हम ला रहे हैं। जब उसका (अच्छी खबर) टाइम आएगा, तो हम यह खबर देने से पीछे नहीं हटेंगे।卐 यह अफवाहों के बीच आया है कि एक था टाइगर की अभिनेत्री गर्भवती हैं, क्योंकि इस जोड़े का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

दूसरे दिन भी दिखा कल्कि का जलवा

आरआरआर और बाहुबली 2 से पीछे कल्कि 2898 एडी

प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और कमल हासन स्टारर कल्कि 2898 एडी का बॉक्स ऑफिस पर जलवा कायम है। नॉन हॉलिडे पर रिलीज होने के बाद भी इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन छप्परफाड़ कमाई की है। पांच भाषाओं में रिलीज हुई फिल्म ने तेलुगु भाषा में सबसे ज्यादा कलेक्शन किया है।पैन इंडिया स्टार प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म %कल्कि 2898 एडी% ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया है। ओपनिंग डे पर धमाकेदार कलेक्शन करने के बाद फिल्म ने दूसरे दिन भी खूब नोट लूटे। कल्कि 2898 एडी पर रिलीज के दूसरे दिन भी नोटों की बारिश हुई, जिसका सबूत फिल्म के दूसरे दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के आंकड़े हैं।
जी हां, प्रभास की फिल्म की कमाई के दूसरे दिन के शुरुआती आंकड़े आ चुके हैं, जिससे पता चलता है कि कल्कि 2898 एडी फुल स्पीड में दौड़ रही है और इसी के साथ दो ही दिनों में उस जादुई आंकड़े के करीब पहुंच गई है, जिसके नजदीक पहुंचने में बहुत सी फिल्मों को पूरा हफ्ता लग जाता है।इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क ने कल्कि 2898 एडी के दूसरे दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के शुरुआती आंकड़े जारी किए हैं, जिसके अनुसार फिल्म ने दूसरे दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 54 करोड़ के करीब कलेक्शन किया है। देखा जाए तो दो ही दिनों में फिल्म 150 करोड़ के जादूई आंकड़े के करीब पहुंच गई है। प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और दिशा पाटनी स्टारर कल्कि 2898 एडी नॉन हॉलिडे रिलीज के बाद भी दूसरे दिन अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रही है। नाग अश्विन निर्देशित फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन यानी शुक्रवार को सफलतापूर्वक 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। कल्कि ने 2898 एडी ने सभी भाषाओं के लिए भारत में अनुमानित 54 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। पहले ही दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 95 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया और वर्ल्डवाइड करीब 191 करोड़ कमाकर भारतीय सिनेमा की तीसरी सबसे बड़ी ओपनर बनकर बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया।पहले दिन के इस शानदार कलेक्शन के साथ, कल्कि 2898॰ष्ठ ने सुपरस्टार यश की केजीएफ 2 (159 करोड़ रुपये), खुद प्रभास की ही सालार (158 करोड़ रुपये), थलापति विजय की लियो (142.75 करोड़ रुपये), प्रभास की एक और फिल्म साहो (130 करोड़ रुपये) और शाहरुख खान की जवान (129 करोड़ रुपये) के वर्ल्डवाइड ओपनिंग रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन, जूनियर एनटीआर और राम चरण की आरआरआर अभी भी 223 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ भारत की पहली बिगेस्ट ओपनर बनी हुई है, इसके बाद खुद प्रभास की बाहुबली 2 है जिसने अपने शुरुआती दिन में 217 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी।

थर्ड स्टेज ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं हिना खान

इस बात का खुलासा खुद अभिनेत्री ने पोस्ट शेयर करके की है

टीवी से बॉलीवुड में अपने दम पर पहचान बनाने वाली हिना खान थर्ड स्टेज ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। एक्ट्रेस ने कुछ देर पहले पोस्ट शेयर करके इस बात की जानकारी शेयर की है। 36 साल की हिना खान ने जैसे ही यह पोस्ट शेयर किया है उनके फैंस काफी ज्यादा हैरान हो गए हैं।

बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर यह खबर आ रही थी कि अभिनेत्री अपने इलाज के लिए भर्ती हैं। हालांकि अब अभिनेत्री ने पोस्ट शेयर करके इस बात की पुष्टि कर दी है। हिना खान ने लिखा है, %हाल ही में उड़ रही अफवाहों पर मैं आपसे कुछ जरूरी न्यूज शेयर करना चाहती हूं कि मैं ब्रेस्ट कैंसर के तीसरे स्टेज पर हूं।%

हिना खान ने शेयर किया पोस्ट

वह आगे लिखती हैं कि- %इसके बाद भी मैं ठीक हूं और इस जंग को लड़ रही हूं। मुझे पता है मैं काफी मजबूत हूं और इस जंग को लड़ सकती हूं। मेरा इलाज शुरू हो चुका है, और मैं इससे और भी मजबूत होकर उभरने के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए तैयार हूं। इस वक्त मेरे साथ मेरा पूरा परिवार है।

इन को हो चुका है बेस्ट कैंसर

आयुष्मान खुराना की पत्नी ताहिरा ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ चुकी हैं। 70 की दशक की मशहूर एक्ट्रेस मुमताज़ भी ब्रेस्ट कैंसर से गुज़र चुकी हैं। एक्ट्रेस महिमा चौधरी ब्रेस्ट कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी की लड़ाई लड़ चुकी हैं।

राज-डीके की नई वेब सीरीज में मुख्य भूमिका में नजर आएगें आदित्य और सामंथा प्रभु

आदित्य रॉय कपूर और सामंथा रूथ प्रभु राज-डीके की आगामी वेब सीरीज में मुख्य भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जो अगस्त में फिल्मांकन शुरू करने के लिए तैयार एक एक्शन से भरपूर वेंचर है। दोनों अभिनेता अपनी भूमिकाओं के लिए गहन तैयारी कर रहे हैं।आदित्य रॉय कपूर प्रसिद्ध निर्देशक जोड़ी राज और डीके द्वारा निर्देशित रक्तबीज नामक एक नई वेब सीरीज के साथ ओटीटी की दुनिया में अपने दूसरे कदम के लिए तैयार हैं। इस एक्शन से भरपूर वेंचर में उनके साथ प्रतिभाशाली सामंथा रूथ प्रभु भी शामिल हैं, जो फैमिली मैन में अपने कार्यकाल के बाद राज और डीके के साथ अपने सहयोग को चिह्नित करती हैं और वरुण धवन के साथ सिटाडेल- हनी बनी में उनकी आगामी भूमिका है। आदित्य रॉय कपूर ने हाल ही में इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दी है, जो एक एड्रेनालाईन-पंपिंग एक्शन सीरीज़ होने वाली है। सामंथा रूथ प्रभु, जो अपने बहुमुखी अभिनय के लिए जानी जाती हैं, महिला प्रधान भूमिका में कलाकारों में शामिल होती हैं, जो स्क्रीन पर अपनी तीव्रता का एक अलग ब्रांड लाती हैं।रक्तबीज की तैयारी पहले से ही चल रही है, दोनों अभिनेता अपनी भूमिकाओं की तैयारी के लिए कठोर प्रशिक्षण सत्रों में शामिल हो रहे हैं, जिसमें शारीरिक कौशल और चपलता की आवश्यकता होती है।

एक जून से शुरू होगा नाइट ब्लड सर्वे, सभी प्रखंडों में दो-दो साइट्स चयनित

- नाइट ब्लड सर्वे के लिए लैब टेक्नीशियन को दिया गया प्रशिक्षण, दी गई अभियान की जानकारी
- रात में सक्रिय होते हैं फाइलेरिया के परजीवी, इसलिए रात्रि में होगा शिविर का आयोजन
- रात 8:30 बजे से लेकर 12 बजे तक लिए जाएंगे लोगों के खून के नमूने

बक्सर (संवाददाता)। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में नाईट ब्लड सर्वे की शुरुआत एक जून से की जायेगी। इसके लिए जिले के सभी प्रखंडों में दो-दो साइट्स का चयन किया गया है। जहां पर लोगों के खून के नमूने लिए जाएंगे। इस क्रम में नाइट ब्लड सर्वे के सफल संचालन के लिए सेशन साइट्स पर तैनात लैब टेक्नीशियन को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें नाइट ब्लड सर्वे के दौरान खून के नमूने लेने और उसकी जांच करने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शैलेंद्र कुमार ने नाइट ब्लड सर्वे एनबीएस तथा सर्वजन दवा सेवन अभियान एमडीएम से संबंधित जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले से फाइलेरिया को पूरी से मिटाने के लिए एमडीए अभियान बेहद जरूरी है। लेकिन एमडीए तभी सफल होगा, जब वहां एनबीएस का रिपोर्ट सटीक आएगा। विभाग के गाइट लाइन्स के अनुसार रात 8:30 बजे से लेकर 12 बजे तक ही साइट्स पर सैंपल लिए जाएंगे। जिसकी जांच सैंपल लेने के 24 घंटों के अंदर कर लेनी है। ताकि, सर्वे के साथ-साथ लिए गए रक्त की स्टैनिंग भी समय से पूरी की जा सके। इसके लिए प्रखंडों के चयनित प्रत्येक साइट पर दो-दो लैब टेक्नीशियन की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। जिससे नाइट ब्लड सर्वे का काम समय से पूरा किया जा सके।

डॉ. शैलेंद्र कुमार ने बताया कि एक जून से जिले के सभी चयनित साइट्स पर नाइट ब्लड सर्वे का काम शुरू होगा। जिसके तहत फाइलेरिया प्रभावित क्षेत्रों की पहचान कर वहां रात में लोगों के रक्त के नमूने लिये जाते हैं। जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाता है। जहां पर खून के नमूनों में फाइलेरिया के परजीवी की मौजूदगी का पता लगाया जाता है। फाइलेरिया के परजीवी रात में ही सक्रिय होते हैं, इसलिए नाइट ब्लड सर्वे से सही रिपोर्ट पता चल पाता है। इसलिए चयनित साइट्स के गांवों में फ्रंटलाइन वर्कर्स, स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध जनों के साथ मिलकर लोगों को नाइट ब्लड सर्वे को लेकर लोगों को जागरूक करें। जिससे इस अभियान को सफल बनाया जा सके। इसमें स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ सहयोगी संस्थानों की भूमिका भी अहम रहेगी।उन्होंने बताया कि विभाग के अनुसार जिन इलाकों में माइक्रो फाइलेरियासिस का रेट एक प्रतिशत अथवा इससे अधिक होगा वहीं एमडीए अभियान चलाया जाएगा।

इस दौरान वीबीडीसीओ पंकज कुमार ने बताया कि जिले के सदर प्रखंड के शहरी क्षेत्र के पांडेयपट्टी समेत जिले में 12 सेंटिनल और 12 रैंडम साइट बनाए गए हैं। जहां पर रात्री में रक्त के नमूने लिए जाएंगे। इसके लिए सदर प्रखंड के शहरी क्षेत्र में पांडेयपट्टी व ग्रामीण क्षेत्र में दहिवर, चौसा के सोनपा, राजपुर के तियरा, इटाढ़ी के इटाढ़ी, सिमरी के सिमरी बाजार, डुमरांव के अरियांव, नावानगर के गिरिधर बरांव, केसठ के केसठ, ब्रह्मपुर के देवकुली, चक्की के भोला डेरा तथा चौगाईं के अंबेडकर पट्टी पांडेयपुर का चयन किया गया है। इसी प्रकार रैंडम साइट्स में बक्सर के शहरी क्षेत्र का जासो व ग्रामीण क्षेत्र का छोटका नुआंव, चौसा का डिहरी, राजपुर में देवढीया, इटाढ़ी का कुकुढ़ा, सिमरी का आशा पड़री, डुमरांव का पुराना भोजपुर, केसठ का रामपुर, ब्रह्मपुर का स्थानीय गांव, चक्की का भरियार और चौगाईं का स्थानीय गांव शामिल है। इन सभी साइट्स पर 300-300 लोगों के खून का सैंपल लेना है, जिसके लिए संबंधित आशा कार्यकर्ताओं के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि, जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं के अलावा शिक्षा विभाग से भी सामनव्य स्थापित कर शिविर का संचालन किया जाएगा। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोगों को शिविर में लाकर उनके खून का सैंपल लिया जा सके।

वॉलीबॉल अन्डर-15 बालक वर्ग खिलाड़ियों का हुआ चयन

बक्सर (संवाददाता)। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के तत्वाधान में शनिवार को एमपी उच्च विद्यालय, बक्सर में पटना प्रमंडल द्वारा एक दिवसीय वॉलीबॉल अन्डर-15 बालक वर्ग चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस चयन प्रतियोगिता में पटना प्रमंडल के कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। चयनकर्ता के रूप में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना द्वारा प्रतिनियुक्त अविनाश कुमार एनआईएस जितेन्द्र कुमार एवं रोहित कुमार के देख रेख में खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ी बिहार प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में पटना प्रमंडल का प्रतिनिधित्व करेंगे। चयन प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बिहार में वॉलीबॉल खेल को बढ़ावा देना साथ ही बिहार के जो भी प्रतिभावान एवं होनहार खिलाड़ी हैं उनका चयन कर उन्हें अलग से प्रशिक्षित करना है। इस चयन प्रतियोगिता में नोडल पदाधिकारी उपाधीक्षक शारीरिक शिक्षा अशोक कुमार सत्येन्द्र कुमार सिंह अभिषेक कुमार सिह संजय कुमार शारीरिक शिक्षक मदन राम एवं चंदन कुमार सहित कार्यालय कर्मी मौजूद रहे।

मौसम की बारिश ने बिगाड़ी बाजार की सूरत, सड़क पर बह रहा है नाली का गंदा पानी

केसठ (संवाददाता)। मौसम का रुख पल-पल बदल रहा है.विगत दिनों हुई मौसम की बारिश ने बाजार की सूरत को बिगाड़ दिया है. पहली बारिश के कारण केसठ बाजार समेत अन्य ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव होने से दुकानदारों एवं लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है.

वहीं जगह-जगह कीचड़ और दलदल होने से फिसलन हो गया है.बारिश के बाद पूरा बाजार जलजमाव से गंदगी से जूझता रहा. बरसात पूर्व नालियों की सफाई नहीं होने से पानी का निकासी नहीं हो रहा था.जिसे नया बाजार व पुराना बाजार समेत ग्रामीण क्षेत्रों में पानी जमा हो गया. नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है.नाली की गंदगी सड़क पर पर पसर गई. जिसके कारण बाजार के दुकानदारों व राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.वही जलजमाव व गंदगी होने से लोगों को घरों से निकलना मुश्किल हो गया है. वाहनों के आवागमन के कारण छींटें पड़ने से लोगों के कपड़े गंदे हो रहे हैं. बाजार के दुकानदारों का कहना है कि नाली की सफाई नहीं होने से हमेशा परेशानी हो रही है. उन्होंने अधिकारियों से जल निकासी के लिए नाली सफाई कराने को लेकर मांग किया है.

नियमावली के विरुद्ध हुआ कार्यपालक सहायकों का स्थानांतरण

केसठ (संवाददाता)। विगत दिनों जिले के प्रखंड, आंचल समेत अनेक कार्यालयों में कार्यरत कार्यपालक सहायकों का स्थानांतरण किया गया है. जिसे कार्यपालक सहायकों ने गलत बताया है.कार्यपालक सहायकों का कहना है कि नियम के विरुद्ध स्थानांतरण किया गया है. जिला स्थापना शाखा के आदेश संख्या 45 / 24 -25 एवं 52/24 -25 के आदेश के आलोक में समाहरणालय, अनुमंडल अंचल एवं प्रखंड कार्यालयों में कार्यरत कार्यपालक सहायकों का स्थानांतरण हुआ है. जिसमें पूर्व से स्थानांतरित स्थान पर पुनः उसी स्थान पर आधा दर्जन कार्यपालकों का स्थानांतरण किया गया है. इसके अलावा कई कार्यपालक सहायकों को गृह प्रखंड में भी स्थानांतरण किया गया है.जो नियमावली के विरुद्ध है. इसको लेकर कार्यपालक सहायकों में आक्रोश प्राप्त है. कार्यपालक सहायक ने जिलाधिकारी को पत्र देकर स्थानांतरण को रद्द कर सुधार करने को लेकर मांग किया है.

उज्जवल महिला विकास केंद्र पर लगा निःशुल्क मेडिकल कैंप, 65 छात्र-छात्राओं की हुआ मुफ्त जांच

बक्सर (संवाददाता)। रोटरी बक्सर के बैनर तले उज्जवल महिला विकास केंद्र पर निशुल्क हीमोग्लोबिन जांच एवं फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया। इसमें 65 छात्र-छात्राओं की मुफ्त जांच एवं दवा वितरण किया गया।

मेडिकल कैंप का नेतृत्व रोटरी बक्सर के अध्यक्ष राजेश केसरी ने किया। रोटरी अध्यक्ष राजेश केसरी ने कहा कि समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। मेडिकल कैम्प में डॉक्टर ट्विंकल केसरी ने छात्र छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधित जानकारी दी और छात्राओ को जागरूक किया। उज्जवल महिला विकास केंद्र के सचिव रामाशंकर सिंह कुशवाहा ने बताया कि शनिवार को उज्जवल महिला विकास केंद्र पुराना बस स्टैंड परिसर में निशुल्क हीमोग्लोबिन जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे 65 फीमेल छात्राओं के हीमोग्लोबिन की जांच की गई। इस दौरान शिविर में डॉ ट्विंकल केशरी के द्वारा हीमोग्लोबिन युक्त मरीजों को उचित परामर्श दी गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जांच कैंप मे मुख्य रूप से प्रोजेक्ट चेयर रामाशंकर कुशवाहा अरिस्टों कंपनी से अभिषेक कुमार व नीरज कुमार काजल कुमारी दीपिका वर्मा गर्गमणी चौबे एव अन्य लोग मौजूद रहे।

जीवन को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है खेल

बक्सर (संवाददाता)। नगर के अहिरौली स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय 35 वें प्रांतीय समूह खेलकूद कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। इसमें दक्षिण बिहार के 17 जिलों से 800 सौ खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बक्सर के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। समापन समारोह कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसडीएम धीरेंद्र मिश्र, भारती शिक्षा समिति बिहार पटना के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा एवं विभाग संयोजक डॉ. हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने संयुक्त रूप दीप प्रज्जवलित कर किया। वहीं, स्वागत एवं परिचय प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा ने किया। अध्यक्षता राजेश प्रताप सिंह व संचालन विभाग प्रमुख उमाशंकर पोद्दार ने किया। इस मौके पर एसडीएम ने कहा कि खेल जीवन का आकार देने में अहम भूमिका निभाता है। प्रदेश सचिव ने कहा कि कबड्डी खेल हमारी संस्कृति और सभ्यता भी है। खेलकूद से टीम भावना का भी विकास होता है। आभार ज्ञापन शारीरिक क्षेत्रीय संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने किया।

कबड्डी प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर तिलौथू विजेता और हसनपुर राजगीर उपविजेता रहा। जबकि, बालिका वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर रामगढ़ विजेता व तिलौथू उपविजेता रहा। अंडर 17 बालक वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली विजेता व रामगढ़ उपविजेता बना। बालिका वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर नया बाजार बक्सर विजेता एवं औरंगाबाद उपविजेता रहा। अंडर 19 के बालक एवं बालिका वर्ग में हसनपुर, राजगीर विजेता रहा। खो-खो प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर पुरानीगंज विजेता, मोहनिया उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर बालिकाखंड बक्सर विजेता और सादीपुर मुंगेर उपविजेता रहा। वहीं, अंडर 17 बालक वर्ग में सैनिक सरस्वती विद्या मंदिर पटना विजेता, बांका उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में नवीनगर औरंगाबाद विजेता व बालिका खंड बक्सर उपविजेता रहा। अंडर 19 बालक वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर औरंगाबाद विजेता व हसनपुर राजगीर उपविजेता रहा। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों ने कप, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के लिए छात्रों को करे प्रोत्साहित

बक्सर (संवाददाता)। *01 जुलाई से 21 अगस्त तक संचालित होने वाली राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता में छात्रों को शामिल होने के संबंध में राज्य शिक्षा परियोजना परिषद ने जिले के डीईओ व डीपीओ को पत्र जारी किया है। जिसमें बताया गया है कि ऑनलाइन प्रतियोगिता कक्षा 01 से आगे तक के छात्रों के लिए निशुल्क आयोजित की गई है। ऐसे में इसके पंजीकरण के लिए 01 जुलाई से 21 अगस्त तक तिथि निर्धारित है।*

पावर प्लांट संबंधित रैयतों का 4 और 5 जुलाई को मुआवजे का होगा भुगतान

बक्सर (संवाददाता)। एसटीपीएल द्वारा चौसा में निर्माणधीन थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट हेतु अर्जित या अर्जनाधीन भूमि संबंधित चौसा के हितबद्ध रैयतों का मुआवजा भुगतान हेतु 04 जुलाई से 05 जुलाई को पूर्वाहन दस बजे से अपराहन पांच बजे तक चौसा अंचल स्थित महर्षि च्यवन महाविद्यालय, चौसा बक्सर में शिविर का आयोजन किया जायेगा।

संबंधित कागजात के साथ रैयतों के लिए महर्षि च्यवन महाविद्यालय में लगेगा शिविर

इस आशय की जानकारी जिला सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी सौरव आलोक ने देते हुए बताया कि जिला भू अर्जन शाखा से मिली जानकारी के अनुसार विद्युत तापगृह चौसा, रेल कोरिडोर एवं वॉटर पाईप लाईन परियोजना हितबद्ध रैयतों को मुआवजा भुगतान हेतु 04 जुलाई से 05 जुलाई को पूर्वाहन दस बजे से अपराहन पांच बजे तक चौसा अंचल स्थित महर्षि च्यवन महाविद्यालय चौसा बक्सर में शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि विद्युत तापगृह चौसा, रेल कोरिडोर एवं वॉटर पाईप लाईन परियोजना चौसा के हितबद्ध रैयतों जिनके मुआवजा का भुगतान हेतु पीठासीन पदाधिकारी भू अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापना प्राधिकार, पटना प्रमंडल पटना को वाद संदर्भित है। वैसे हितबद्ध रैयतों को सूचित किया जाता है कि विहित आवेदन पत्र में वांछित सूचना भरकर संबंधित कागजात यथा खतियान की छायाप्रति,निबंधित वसीका, पारिवारिक बँटवारा का कागज, वंशवाली की सत्यापति प्रति, एलपीसी की छायाप्रति, लगान रसीद की प्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, पैन-कार्ड की छायाप्रति, बैंक पासबुक की छायाप्रति, बंध-पत्र एवं शपथ पत्र इत्यादि विहित आवेदन पत्र के साथ संलग्न कर कैम्प में निर्धारित काउंटर पर जमा करना करेंगे।

खबर-खास

चुनाव डयूटी के दौरान मृत कर्मियों के परिजनों को दी गई अनुग्रह अनुदान की राशि

बक्सर (संवाददाता)। लोक सभा आम निर्वाचन में चुनाव डयूटी के दौरान मृत कर्मियों के परिजनों को अनुग्रह अनुदान राशि शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के द्वारा समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में दी गई।

जिसमे नरेन्द्र सिंह, पंचायत शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय बनहेजी डेरा, पिता जालिम सिंह, ग्राम नावडेरा, पोस्ट पुराना भोजपुर, प्रखंड डुमराँव, जिला बक्सर के मृत्यु के पश्चात उनकी आश्रित पत्नी मधु देवी सहित सत्येन्द्र ठाकुर, गृहरक्षक संख्या-5870, पिता यमुना ठाकुर, ग्राम ठाकुर टोला, पोस्ट मठियाँ, थाना लोरिया, जिला पश्चिमी चम्पारण बेतिया की मृत्यु के पश्चात उनके आश्रित पुत्र अभय ठाकुर को 15-15 लाख रूपये का अनुग्रह अनुदान राशि चेक के माध्यम से वितरित किया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग से प्राप्त गाईडलाईन के अनुसार एवं विभागीय स्वीकृति के आलोक में चुनाव डयूटी के दौरान मृत व्यक्तियों के आश्रितों को अनुग्रह अनुदान राशि दिया गया है।

प्रथम राष्ट्रपति की प्रतिमा को बक्सर में लगाने को लेकर उठी मांग

बक्सर (संवाददाता)। देश के प्रथम राष्ट्रपति की प्रतिमा लगाने की उठी मांग कायस्थ परिवार बक्सर के संयोजक सह भाजपा विधि प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अधिवक्ता सुमन कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान उन्होंने बक्सर नगर में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा लगाने को लेकर जिलाधिकारी के साथ साथ नगर विकास मंत्री सह जिला प्रभारी नितिन नवीन को पत्र के माध्यम से बहुत जल्द अवगत कराएंगे। यह मांग कायस्थ परिवार बक्सर की एक बैठक में सर्वश्रमति से उठाया गया। संयोजक ने कहा गया की डॉ राजेंद्र प्रसाद की देश की आजादी में बहुत बड़ा योगदान रहा है साथ ही साथ देश की संविधान बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है इसलिए बक्सर नगर में भी एक उनकी प्रतिमा लगनी चाहिए। बैठक में मुख्य रूप से चंदन लाल, वैदेही श्रीवास्तव, मनोरंजन लाल, विजय लाल, रामचंद्र प्रसाद, राजगृह सिंह, राकेश सिंह, मनोज ठाकुर के अन्य समाजसेवी भी उपस्थित रहे।

8 जुलाई तक सात थीम के साथ होगा गतिविधियों का आयोजन

बक्सर (संवाददाता)। जिले के सभी सरकारी स्कूलों में आज से समर कैंप मिशन लाइफ के लिए इको क्लब के माध्यम से गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। सर्वशिक्षा अभियान के डीपीओ शारिक अशरफ ने पत्र जारी करते हुए बताया कि जिले के सभी प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों में समर कैंप मिशन लाइफ के लिए विद्यालयों में गठित इको क्लब के जरिए गतिविधियों के क्रियान्वयन को लेकर अगले 07 दिनों के लिए अलग-अलग सात थीम पर आधारित गतिविधियों को विद्यालय के स्तर पर आयोजित होगी। बताया कि 01 जुलाई से 08 जुलाई तक इन गतिविधियों को किया जाएगा। साथ ही सभी विद्यालय के हेडमास्टर प्रतिवेदन बनाकर अपने-अपने बीआरसी को नियमित रूप से प्रतिदिन ऑनलाइन या ऑफलाइन भेजेंगे। जहां से फिर इसे जिला कार्यालय को भेजा जाएगा।

पेयजल समस्या को लेकर महिलाओं ने जताया विरोध

डुमरांव (संवाददाता)। नगर के चतुरशालगंज मोहल्ले के लोग सालों से पेयजल की किल्लत झेल रहे हैं। लोगों की प्यास बुझाने के लिए मोहल्ले में चार साल पहले बोरिंग लगी थी। लेकिन, वह शोभा की वस्तु बनी है। रविवार को पेयजल की समस्या को लेकर मोहल्लेवासियों का गुस्सा फूट पड़ा और वे पानी के बर्तन के साथ विरोध जताने लगे। वार्ड पार्षद सुभद्रा देवी ने समझा बुझाकर सभी को शांत कराया।

चतुरशालगंज मोहल्ला काव नदी के पार अनुमंडल कार्यालय जाने वाले रास्ते में पड़ता है। इस मोहल्ले में अधिकांश महादलित और पिछड़ा वर्ग के लोग रहते हैं। विरोध करने वाली महिलाओं में प्रियंका देवी, बेबी देवी, सीता देवी, इंदु देवी, सावित्री देवी, सुनैना देवी, शिवलोचनी देवी, धनमुनिया देवी, सोनामति देवी, सुगंधा देवी, अनारा देवी ने कहा कि चार साल पहले मोहल्ले में हर घर पेयजल पहुंचाने के लिए बोरिंग लगाई गई थी। साथ ही, घरों तक पाइप भी बिछाई गई। लेकिन, आज तक एक बूंद पानी नहीं पहुंचा। दो हजार की आबादी में मात्र एक चापाकल है। जहां घर की महिलाएं पहुंच नहीं पाती हैं। पुरूष सदस्य के नहीं रहने पर पानी के लिए भटकना पड़ता है। पूर्व वार्ड पार्षद सोनू राय ने कहा कि पेयजल की समस्या को लेकर चेयरमैन, ईओ, प्रधान सचिव और मंत्री तक को ज्ञापन सौंपा गया है। इधर चेयरमैन सुनीता गुप्ता का कहना था कि मोहल्ले के लोगों को पेयजल की समस्या से निजात दिलाने के लिए शीघ्र उपाय किए जाएंगे।

ई-शिक्षाकोष पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करायेंगे शिक्षक

बक्सर (संवाददाता)। जिले के सरकारी विद्यालय के हेडमास्टर, शिक्षक व शिक्षिका ई-शिक्षाकोष पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करायेंगे, वहीं किसी तरह की तकनीकी समस्या आने पर अपने बीआरसी में संपर्क करेंगे। बता दें कि जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में ई-शिक्षाकोष मोबाइल एम्लीकेशन पर उपस्थिति बनाने को लेकर रविवार को प्रशिक्षण अभियान चलाया गया।

इस संबंध में जारी पत्र में बताया कि सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों को मोबाइल एप के जरिए ऑनलाइन उपस्थित दर्ज कराना अनिवार्य है। ऐसे में इसमें आने वाली तकनीकी समस्याओं के निराकरण करने और शून्य उपस्थिति दर्ज करने वाले विद्यालयों के सभी हेडमास्टरों को बाजार समिति स्थित नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय में प्रशिक्षण दिया गया। बताया कि ई-शिक्षाकोष पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में लापरवाही करने वाले विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480